ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -26 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 26 फरवरी से 04 मार्च (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

संक्षिप्त समाचार

फडणवीस सरकार ने कर्मचारियों को दिया तोहफा

मुंबई। महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा त्योहार से पहले फडणवीस सरकार ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया। इसके तहत राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों और अन्य पात्र स्टाफ का महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाने का फैसला किया है। वित्त राज्य मंत्री आशीष जायसवाल ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि डीए में 3 फीसदी की वृद्धि करके इसे 58 प्रतिशत कर दिया जाएगा और यह जुलाई 2025 से प्रभावी होगा।

भारत बना दुनिया का स्मार्टफोन हब

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की बढ़ती धमक के बारे में बताया है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आंकड़ा साझा करते हुए बताया है कि भारत अब दुनिया के लिए स्मार्टफोन विनिर्माण का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान देश का स्मार्टफोन निर्यात 30 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी

नईदिल्ली। हर दिन उम्मीद से भी अधिक तेजी से डिजिटल हो रही दुनिया में वित्तीय लेनदेन जितना आसान हुआ है, उतना ही साइबर ठगी का खतरा बढ़ा है। यह हालात केवल भारत जैसे देशों में नहीं है, पूरी दुनिया का यही हाल है। ग्लोबल वॉचडॉग फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने अपनी एक नई और अहम रिपोर्ट में दुनिया भर के देशों को कड़ी चेतावनी दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, साइबर फ्रॉड अब केवल आर्थिक ठगी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा कनेक्शन मनी लॉन्ड्रिंग यानी धनशोधन, टेरर फाइनेंसिंग यानी आतंकियों को धन मुहैया कराने और प्रोलिफरेशन फाइनेंसिंग यानी सामुहिक विनाश के हथियारों के लिए धन उपलब्ध कराने जैसे बेहद गंभीर अपराधों से जुड़ गया है।

भारतीय स्टील उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन

नईदिल्ली। भारत के स्टील और धातु उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का 24 फरवरी को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। छह दशक से अधिक लंबे और शानदार करियर वाले मेहरा वर्तमान में एस्सार ग्रुप के मेटल्स एंड माइनिंग डिवीजन में वाइस चेयरमैन के पद पर कार्यरत थे। तकनीकी विशेषज्ञता और कुशल परिचालन नेतृत्व के धनी मेहरा ने देश में कई बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट्स को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। एस्सार ग्रुप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विजन और नेतृत्व ने समूह के कई महत्वपूर्ण पड़ावों और परिवर्तनकारी परियोजनाओं को सफल बनाया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र

भाजपा विधायकों ने उठाया नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री का मुद्दा, प्रशासन को बताया फेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के तीसरे दिन ध्यानाकर्षण में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर और धरम लाल कौशिक ने नशीले पदार्थो की अवैध बिक्री का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन को असफल बताया. गृह मंत्री विजय शर्मा ने प्रशासन के फेल होने के आरोपों को नकारा.भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि रायपुर समेत पूरे प्रदेश में नशे से जुड़े मामले सामने आ रहे हैं.

छत्तीसगढ़ के आरक्षक ही नशा की बिक्री कर रहा है'. इसके कारण अपराध भी बढ़ रहा है, नशे की आगोश में है. इसे रोकने में प्रशासन विफल रहा है. गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह आरोप सही नही है कि प्रशासन फेल है. विभाग संकल्पित है और लगातार कार्रवाई की जा रही है. जो भी बदमाश या अपराधी ऐसी कृत्य कर रहे है, उनपर कड़ी कार्रवाई की जा रही है. टिकरापारा में आरक्षक पर कार्रवाई हुई, अभी प्रक्रियाधीन है. अजय चंद्राकर ने कहा कि जब विपक्ष में था, तब भी सवाल उठाता था आज स्थिति उससे भी भयावह है. विजय शर्मा ने कहा कि यह विषय बहुत गंभीर है, सभी पर कार्रवाई होंगी।

फ़िलहाल न संगठित, न असंगठित -लखन देवांगन- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सदन में जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि फिलहाल गिग वर्करों को न तो संगठित क्षेत्र में रखा गया है और न ही असंगठित क्षेत्र में.

उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्करों को शामिल किया गया है और जैसे ही भारत सरकार इस संबंध में नियम अधिसूचित करेगी, राज्य सरकार उसका अनुसरण करेगी।

शराब पर बात निकली तो दूर तलक जाएगी

इस पर मंत्री ने कहा कि शराब पर बात निकलेगी तो दूर तक जाएगी. भूपेश बघेल बोले ञ्ज दूर तक जाए तो जाने दीजिए, चर्चा कराइए. विजय शर्मा ने कहा कि नशे व्यापार करने वाला आरोपी और नशे का आदी व्यक्ति बेचारा होता है. राजेश मूणत ने कहा कि राजधानी में सूखा नशा बिक रहा है, उसको पकड़वाने वाले के लिए इनाम की घोषणा करें.

पिट एनडीपीएस के तहत पहली बार प्रदेश में 145 प्रकरणों पर हुई कार्रवाई

प्रदेश में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी के मुद्दे पर विधानसभा में विधानसभा सदस्यों अजय चंद्राकर एवं धरमलाल कौशिक ध्यान आकर्षण का जवाब उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दिया. जिसमें उन्होंने बताया कि प्रदेश में चरस, गांजा, ब्राउन शुगर, हेरोईन, अफीम, डोडा, नशीली गोलियों जैसे मादक पदार्थों, अवैध नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री रोकने के लिए शासन दृढ़ संकल्पित है तथा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है. उपमुख्यमंत्री ने सदन को जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा राज्य में पहली बार एनडीपीएस एक्ट के तहत् दर्ज प्रकरणों में सिरे से विवेचना कर आरोपियों, उनके सहयोगी एवं सप्लायर के विरूद्ध वित्तीय जांच भी की जा रही है। पिट्स एनडीपीएस एक्ट को क्रियाशील कर आरोपियों के वित्तीय आधार को खत्म करने का काम किया जा रहा है. पहले अपराधी जेल से निकलकर नशे के कारोबार से कमाए काले धन को एन्जॉय करते थे, पर अब उस पर भी नकेल कसी जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष महंत ने उठाया एसटीपी निर्माण का मुद्दा

गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों के खिलाफ की कार्यवाही की मांग

छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण का मुद्दा उठाया. उन्होंने गलत जानकारी देकर गुमराह करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. इस पर मंत्री अरूण साव ने परीक्षण कराकर आगे की कार्रवाई की बात कही. नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने प्रश्नकाल के दौरान सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर कहा कि 2 बार संशोधन कर जवाब भेजे गए. पहले 26 बताया गया? था फिर संख्या 21 भेजी गई. इस पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि ये सही है कि बाद में संशोधित उत्तर उपलब्ध कराया है. उन्होंने कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार मिलकर पूरी गंभीरता से काम कर रहे हैं. 12 नगरीय निकायों में 21 एसटीपी स्वीकृत है. 68 नगरीय निकायों में 96 एसटीपी की स्वीकृति है.

इस पर नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा कि मेरे क्षेत्र में एसटीपी प्लांट को लेकर जानकारी मांगी और हर बार प्रक्रियाधीन होने का जवाब आया. हर बार उत्तर गलत आता है. ये जो गुमराह करने वाले अधिकारी बैठे हैं, उनके लिए किस तरह के ईनाम या सजा का प्रावधान है. मंत्री अरूण साव ने परीक्षण कराकर कार्रवाई की बात कही।

गिग वर्करों की सुरक्षा और अधिकारों पर अजय चंद्राकर ने उठाये सवाल, सरकार का जवाब- केंद्र के नियम का करेंगे इंतजार

छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रदेश में कार्यरत गिग वर्करों की स्थिति, उनके अधिकारों और राज्य स्तर पर नियमन की आवश्यकता को लेकर जोरदार चर्चा हुई. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने प्रश्नकाल के दौरान सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा कि स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और रैपिडो जैसी कंपनियों में काम कर रहे गिग वर्करों को संगठित मजदूरों की श्रेणी में रखा जाएगा या असंगठित में.

अजय चंद्राकर ने कहा कि इससे पहले उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनियों को लेकर भी सवाल उठाया था, तब भी सरकार ने कहा था कि इस संबंध में कोई स्पष्ट कानून नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी वही स्थिति बनी हुई है.

उन्होंने कहा गिग वर्कर मर रहे हैं और कंपनियां ऐश कर रही हैं. अजय चंद्राकर ने दस मिनट की डिलीवरी जैसे मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि तेज डिलीवरी के दबाव में कई बार गिग वर्करों की जान जा रही है. मानवाधिकार संगठनों द्वारा भी इस मुद्दे पर लगातार चिंता जताई जा रही है.

उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में सामाजिक सुरक्षा संहिता लागू होने के बावजूद अब तक स्पष्ट नियम नहीं बनाए गए हैं. जब तक नियम नहीं बनेंगे, छत्तीसगढ़ के युवा शोषण का शिकार होते रहेंगे. चंद्राकर ने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2025 में भारत सरकार को नोटिफिकेशन जारी करना पड़ा क्योंकि नियम नहीं बन सके थे, जबकि देश के कई राज्यों ने अपने स्तर पर नियम बना लिए हैं. उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या छत्तीसगढ़ समवर्ती सूची के अधिकार का उपयोग करते हुए अपना अलग अधिनियम या नियम बनाने पर विचार करेगा?

कांग्रेस सिंडिकेट ने जनता को लूटा, नक्सलवाद अंतिम सांस पर : सीएम साय

छत्तीसगढ़ विधानसभा में ाज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सिंडिकेट ने छत्तीसगढ़ की जनता को लूटने का काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोयला, शराब, डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) सहित विभिन्न मामलों में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ और भ्रष्टाचार के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने शराब से प्राप्त राजस्व को अब जनहित के कार्यों में उपयोग करना सुनिश्चित किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राजीव मितान योजना की राशि का उपयोग केवल राहुल गांधी के

कार्यक्रमों के दौरान ही दिखाई देता था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस शासन के दौरान ढाई-ढाई साल के नेतृत्व की अवधारणा को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि इससे प्रशासनिक अस्थिरता पैदा हुई। उन्होंने पीएससी में हुई कथित अनियमितताओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में कई लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और आने वाले समय में और भी गिरफ्तारियां होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में नक्सलवाद और भ्रष्टाचार दो बड़ी बाधाएं रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलवाद अब अंतिम सांसें गिन रहा है। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक का जिक्र करते हुए साय ने कहा कि एक समय देश में 70 प्रतिशत से अधिक नक्सल गतिविधियां छत्तीसगढ़ में केंद्रित थीं और इसका कारण पूर्व सरकार की कमजोर इच्छाशक्ति थी।

कोतवाली, जयस्तंभ चौक, फूल चौक और शास्त्री चौक में दो माह के लिए लगा जुलूस, रैली व प्रदर्शनों पर प्रतिबंध

रायपुर। पुलिस कमिश्नर ने कोतवाली से जय स्तंभ चौक, फूल चौक और शास्त्री चौक तक सुबह 9 से रात 9 तक दो माह के लिए किसी भी प्रकार के जुलूस, रैली व प्रदर्शनों को प्रतिबंध लगा दिया है। यह रोक धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत लगाई गई है। पुलिस उपायुक्त मध्य क्षेत्र ने रायपुर के अति व्यस्ततम मार्गों में सुगम यातायात, कानून व्यवस्था व जनसुविधा के दृष्टिकोण से प्रतिबंधित किये जाने की अनुशंसा की थी। इस पर पुलिस कमिश्नर ने यह आदेश जारी कर दिया है।

यहां रहेगा रोक

1. जी.ई. रोड में शारदा चौक से जयस्तंभ चौक होते हुए शास्त्री चौक तक
2. मालवीय रोड में जयस्तंभ चौक से कोतवाली चौक तक
3. सदर बाजार रोड में कोतवाली से सत्तीबाजार चौक तक तथा
4. एम.जी. रोड में गुरुनानक चौक से शारदा चौक तक

उपरोक्त वर्णित क्षेत्र के लिए किसी प्रकार की रैली, शोभायात्रा, जुलूस अन्य प्रकार के प्रदर्शन धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत, आदेश तिथि से आगामी 02 माह तक प्रतिबंधित रहेंगे।

इस्त्राइल पहुंचे पीएम मोदी, हवाई अड्डे पर नेतन्याहू ने किया गर्मजोशी से स्वागत

एयरपोर्ट पर नेतन्याहू ने अपनी पत्नी और पीएम मोदी की ड्रेस की तरफ किया इशारा, तीनों ने लगाए ठहाके

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय दो दिन के इस्त्राइल दौरे पर हैं। इस्त्राइल के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू खुद उनका स्वागत करने पहुंचे थे। उनकी मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे ही विमान से नीचे उतरे और उनके समकक्ष नेतन्याहू ने हाथ जोड़कर और गले मिलकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। उसी समय सारा नेतन्याहू भी वहां पर मौजूद थीं। उन्होंने भी पीएम से हाथ मिलाया। तभी नेतन्याहू ने पीएम मोदी के पॉकेट स्क्वायर के रंग और पत्नी सारा की ड्रेस के रंग की ओर इशारा किया। इस पर पीएम मोदी ने कहा- हां, हां...भगवा (यस, यस...सेफ्रॉन)। इस पर तीनों ठहाके लगाकर हंसने लगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से दो दिन के लिए इस्त्राइल दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर पीएम मोदी 25-26 फरवरी को इस्त्राइल की राजकीय यात्रा कर रहे हैं।

एनसीईआरटी किताब विवाद

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाला हिस्सा हटाएगी सरकार, सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद फैसला

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की कक्षा आठ की एक किताब में न्यायपालिका से जुड़ी विवादित सामग्री पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गंभीर आपत्ति जताई थी।

सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एनसीईआरटी की कक्षा आठ की किताब में न्यायिक भ्रष्टाचार से संबंधित विवादास्पद अंशों को हटाया जा सकता है, क्योंकि सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। परिषद ने पुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। इस बीच बताया जा रहा है कि एनसीईआरटी ने अध्याय से जुड़े विषय विशेषज्ञों और इसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की सिफारिशों की समीक्षा करने के लिए एक आंतरिक बैठक बुलाई है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक एनसीईआरटी के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सकलानी ने इस मुद्दे पर फोन और संदेशों का जवाब नहीं दिया।

इंडिगो फ्लाइट में हंगामा

घंटो तक रनवे पर फंसे 200 से ज्यादा यात्री

चेन्नई (ए)। चेन्नई से सिंगापुर जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मंगलवार को सवार यात्रियों की यात्रा खराब अनुभव में बदल गई। तकनीकी खराबी और क्रू बदलाव के कारण फ्लाइट कई घंटे लेट रही, जिससे 200 से ज्यादा लोग बिना ठीक से वेंटिलेशन और भोजन के फंसे रहे। घबराए यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ के बीच बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यात्रियों ने देरी का कारण जानने की कोशिश की, जबकि एयरलाइन ने रिफ्रेशमेंट और जानकारी देकर स्थिति संभालने की

कोशिश की। इतना ही नहीं विमान में सवार यात्रियों को कई घंटे तक परेशानी झेलनी पड़ी। फ्लाइट की अनजानी देरी के कारण यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ के बीच बहस भी हुई और यह घटना सोशल मीडिया पर बुधवार को वायरल हो गई। वीडियो में दिखाया गया है कि सवार यात्रियों ने क्रू से लगातार फ्लाइट की देरी का कारण पूछा।

एक यात्री बोला- हम सांस नहीं ले पा रहे- वायरल वीडियो में साफ-साफ देखा गया कि एक यात्री ने कहा कि एयर कंडीशनिंग बार-बार बंद-चालू हो रही थी, हम सांस नहीं ले पा रहे थे। आप हमारी सुन रहे थे लेकिन अब पुलिस बुला दी। वहीं दूसरे यात्री ने कहा कि हम कितने समय से इंतजार कर रहे हैं, हम इतनी देर नहीं बैठ सकते।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन में फंसी मंत्री वीणा जॉर्ज हुई घायल

कन्नूर। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज बुधवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर घायल हो गईं। पुलिस सूत्रों के अनुसार मंत्री वीणा जॉर्ज ट्रेन में चढ़ने के लिए कन्नूर रेलवे स्टेशन पहुंची थीं, इसी दौरान यह घटना घटी। घटना के समय रेलवे स्टेशन पर मौजूद राज्य विधानसभा अध्यक्ष ए.एन. शमसीर ने पत्रकारों को बताया कि मंत्री के हाथ और गर्दन में चोटें आई हैं। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित दृश्यों में मंत्री, पुलिसकर्मियों के साथ, प्रदर्शनकारियों के बीच फंसी हुई दिखाई दीं।

ओडिशा से महाराष्ट्र तक फैला नेटवर्क ध्वस्त

68 लाख के गांजा के साथ 8 अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, एक महिला भी शामिल

महासमुंद। छत्तीसगढ़ की महासमुंद पुलिस ने अतंर्राज्यीय गांजा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की है. दो कार में ओडिशा से गांजा लेकर महाराष्ट्र में सप्लाई करने जा रहे 8 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें एक महिला तस्कर भी शामिल है.

चेकिंग के दौरान बड़ी मात्रा में गांजा मिला. इसकी कीमत 68.50 लाख रुपए आंकी गई है. एन्टी नारकोटिक टॉस्क फोर्स और थाना सिंघोड़ा पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की है. ईको (ओ डी 19 टी 6003) और टोयोटा कार (एम एच 01 बी के 4102) से आ रही कार को नेशनल हाइवे 53 पर रेहटीखोल पर नाकेबंदी कर रोका गया.

पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों कार गांजा लेकर जा रहे हैं. पूछताछ में कुछ महाराष्ट्र तो कुछ ने ओडिशा का निवासी होना बताया, एक बिहार का रहने वाला है. तलाशी लेने पर टोयोटा कार की डिक्की से प्लास्टिक बोरी के अंदर गांजा रखा हुआ पाया. यह कुल 137 किलों गांजा था, जिसकी बाजार में कीमत 68.50 लाख रुपए है. आरोपियों ने बताया कि वह ओडिशा के अंगुल से गांजा को महाराष्ट्र के अकोला ले जाया जा रहा था. गांजा तस्करों के कब्जे से 7 मोबाईल, 11,400 कैश को जप्त किया गया है. वहीं आरोपियों के खिलाफ अपराध धारा (20बी (दो)(सी), 29 - 1) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है. कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है. इस कार्रवाई से पुलिस को पूरे सप्लाई चैन को तोड़ने में सफलता मिली है।

अनिल अंबानी का 3716 करोड़ रुपये का मुंबई स्थित घर एबोड कुर्क, जनिए क्या अपडेट

नई दिल्ली (ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने मुंबई के पॉश इलाके में स्थित उनके आलीशान घर एबोड को कुर्क कर लिया है।

यह कार्रवाई वित्तीय जांच एजेंसियों के कड़े रुख को दर्शाती है और कॉर्पोरेट जगत के लिए एक बड़ा घटनाक्रम है। यह जब्ती धन शोधन निवारण अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत एक अनंतिम आदेश जारी करके की गई है।

लोकेशन और खासियत- ईडी द्वारा कुर्क की गई यह बहुमंजिला संपत्ति मुंबई के प्रतिष्ठित पाली हिल इलाके में स्थित है।

एबोड नामक यह बेहद आलीशान घर 66 मीटर ऊंचा है और इसमें 17 मंजिलें हैं।

संपत्ति की कीमत- आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि कुर्क की गई इस एकल संपत्ति का मूल्य 3,716.83 करोड़ रुपये आंका गया है।

ईडी की यह बड़ी कार्रवाई अनिल अंबानी की समूह कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस से जुड़े एक कथित बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच का सीधा परिणाम है। इस नवीनतम आदेश के साथ ही, इस हाई-प्रोफाइल बैंक धोखाधड़ी मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य अब लगभग 15,700 करोड़ रुपये के भारी-भरकम आंकड़े तक पहुंच गया है।

बजट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिले को मिली बड़ी सौगाते

बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और पेयजल सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनेक प्रावधान, कुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में होगा उन्नयन तथा भवन निर्माण

कवर्धा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट में कबीरधाम जिले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण सौगाते मिली है। बजट में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा संसाधनों के विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण और आधुनिक परिवहन सुविधाओं के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं, जिससे जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। बजट प्रावधानों के तहत कुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया जाएगा तथा मेडिकल कॉलेज कबीरधाम के संचालन के लिए आवश्यक सेटअप उपलब्ध कराया जाएगा। इससे जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भी समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकेंगी और गंभीर मरीजों को बाहर रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए कवर्धा-खमरिया मार्ग के उन्नयन एवं चौड़ीकरण के लिए 23 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लोरमी-पंडरिया रोड से सिंघनपुरी तथा रवेली रोड से जरती तक सड़क निर्माण कार्य भी शामिल किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। शिक्षा के क्षेत्र में पंडरिया में नालंदा लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही नालंदा लाइब्रेरी में करियर काउंसलिंग केंद्र भी स्थापित होगा। इससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, मार्गदर्शन और अध्ययन संसाधन एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। पेयजल आपूर्ति के लिए भी बड़े स्तर पर प्रावधान किए गए हैं। सुतियापाठ जलाशय से ठाठापुर तक 54 गांवों में तथा भीरा रपानी जलाशय से 66 गांवों में पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए जिला मुख्यालय में सियान गुड़ी को डे-केयर सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ उन्हें स्वास्थ्य सुविधा, देखभाल और सामाजिक सहभागिता का अवसर मिलेगा। ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया को तकनीक आधारित बनाने के लिए कवर्धा में ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक) स्थापित किया जाएगा। इससे ड्राइविंग टेस्ट अधिक पारदर्शी, तेज और मानकीकृत तरीके से हो सकेगा। कबीरधाम जिले के नागरिकों ने इन योजनाओं का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के इस पहल से जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी और लोगों की जीवनशैली में बदलाव आएगा। उनका कहना है कि यह बजट जनता के हित में उठाया गया मजबूत कदम है, जिससे आने वाले समय में जिले की आर्थिक और सामाजिक स्थिति बेहतर होगी। बजट में किए गए काम हर वर्ग के लोगों को फायदा पहुंचाने वाले हैं और इससे आम नागरिकों का जीवन स्तर सुधरेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बजट में पूरे प्रदेश के साथ-साथ कबीरधाम जिले के लिए भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की है। इससे जिले के विकास को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने आम लोगों की जरूरतों और जिले के विकास को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री से कई कार्यों की मंजूरी देने का अनुरोध किया था, जिन्हें अब इस बजट में शामिल कर लिया गया है।

चरित्र पर संदेह, पति ने दोस्त के साथ मिलकर कर दी हत्या, पूर्व आर्मी मैन भी अरेस्ट

साक्ष्य छिपाने में तीसरे आरोपी ने की मदद, उस पर भी कार्रवाई

मामला डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र का, दो दिन पहले मिला था शव

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ इलाके में महिला के शव मिलने के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। जांच के दौरान पुलिस ने महिला की पहचान की और उसके बाद पति सहित तीन आरोपियों को अरेस्ट किया गया है। पति ने पुलिस को बताया कि वह पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था, जिसके चलते ही उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया1 वहीं साक्ष्य छिपाने के लिए एक और साथी की मदद ली। इस पर पुलिस ने मामला कायम कर तीनों पर ही कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया है। ज्ञात हो कि 22 फरवरी को पुलिस को खबर मिली कि ग्राम भैंसरा आब बगीचा के पास महिला का शव है, इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। काफी छानबीन के बाद पता चला कि मृतका पूर्णिमा नेता ग्राम चौथना डोंगरगढ़ की रहने वाली है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कि तो सामने आया कि मृतका का पति सुनील कुमार फरार है और उसका मोबाइल भी बंद है। इस पर उसकी पतासाजी शुरू की गई, उसे डोंगरगढ़ से ही गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पूछताछ में उसने बताया कि वह पूर्णिमा के चरित्र पर शक करता था। इस लिए वह 21 फरवरी को अपने साथी ज्योतिष नेता के साथ अपनी पत्नी को लेकर बाइक से भैंसरा की ओर गया। जहां रास्ते में आरोपी ने शराब दुकान से शराब लेकर पी। इसके बाद तीनों भैंसरा आम बगीचा आ गए। मौका पाकर दोनों ही आरोपियों ने पूर्णिमा के सिर पर पत्थर पटक दिया। इसमें उसकी मौत हो गई। इसके बाद वे दोनों शव को वहीं छोड़कर अपने रिश्तेदार के घर गए और रात गुजारी। दूसरे दिन सुबह शव की जानकारी सभी को मिली और पुलिस ने जांच शुरू की।

पूर्व आर्मी मैन भी आरोपियों में शामिल

एएसपी कीर्तन राठौर ने बताया कि जांच के दौरान मृतका के पति और उसके साथ को अरेस्ट कर लिया गया। वहीं पूछताछ में यह सामने आया कि पूरी वारदात की जानकारी आरोपियों ने अपने एक और साथी नीलकंठ साहू को दी थी। नीलकंठ मामले में साक्ष्य छिपाने में सहयोग किया था, उसके आधार पर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर कार्रवाई की। इस पूरी कार्रवाई में डीएसपी अलेक्जेंडर किरो, सायबर टीम प्रभारी चंद्रेश परमार, डोंगरगढ प्रभारी वह अन्य की भूमिका सराहनीय रही।

नेत्रहीन नेहा भी बनेगी अफसर, पीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित हुई नेत्रहीन नेहा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 आयोजित की गई। दुर्ग/भिलाई के विभिन्न 25 परीक्षा केंद्रों में प्रतिभागी परीक्षार्थी सम्मिलित हुये। इन्हीं में से एक नेहा यमराज भी है जो नेत्रहीन होने के बावजूद अपने बुलंद हौसले के साथ परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0505 सेजेस जेआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग पीएससी प्रारंभिक परीक्षा देने पहुंची थी। अपनी मेहनत से अधिकारी बनने की ख्वाइस रखने वाली नेहा के लिए जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्र में पृथक कक्ष व लेखन कार्य हेतु सहयोगी की व्यवस्था की गई है। उक्त कार्य में काजल बंजारे जो 11वीं की छात्रा है, नेहा को सहयोग करेगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिंह ने नेहा को शुभकामनाएं दी।

वार्ड 44 में महापौर का निरीक्षण, पानी की समस्या का समाधान, पार्षद व महिलाओं ने महापौर का जताया आभार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 44 में महापौर अलका बाघमार ने क्षेत्र का निरीक्षण कर विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड के रहवासियों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना और आवश्यक निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है और किसी भी वार्ड में बुनियादी सुविधाओं की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

40 वर्षों से पानी की समस्या से जूझ रहे थे नागरिक-निरीक्षण के दौरान वार्डवासियों ने महापौर को बताया कि वे पिछले लगभग 40 वर्षों से पेयजल संकट की समस्या से जूझ रहे थे। नियमित एवं पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती थी, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से कठिनाई उठानी पड़ती थी। महापौर ने लिया संज्ञान, समस्या का कराया स्थायी समाधान वार्डवासियों की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने तत्काल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और पानी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु कार्य प्रारंभ कराया। निगम प्रशासन की पहल से वार्ड 44 में पेयजल व्यवस्था को सुचारू किया गया, जिससे लंबे समय से चली आ रही समस्या का निराकरण संभव हो सका। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता है।

पार्षद एवं महिलाओं ने जताया आभार-पानी की समस्या के समाधान के बाद वार्ड क्रमांक 44 की पार्षद सहित क्षेत्र की महिलाओं एवं नागरिकों ने महापौर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होने से वार्डवासियों को बड़ी राहत मिली है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

पाँच वर्ष बाद भी न्याय अधूरा, डूबान की पीड़ा अब विधानसभा के दरवाज़े पर

धमतरी। गंगरेल बाँध के डूबान प्रभावित परिवारों का धैर्य अब अपनी अंतिम सीमा पर पहुँच चुका है जिन लोगों ने विकास के नाम पर अपनी ज़मीन, घर और आजीविका छोड़ी, वे आज भी अपने ही अधिकार के लिए दर.दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिए थे कि पात्र प्रभावितों को समानता के आधार पर भूमि आवंटन सुनिश्चित किया जाए किंतु आदेश पारित हुए पाँच वर्ष बीत जाने के बाद भी यदि ज़मीन पर न्याय दिखाई नहीं देता, तो यह केवल प्रशासनिक विलंब नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का प्रतीक बन जाता है। 23 फरवरी 2026 से गांधी मैदान, धमतरी में जारी अनिश्चितकालीन धरना अब एक औपचारिक विरोध नहीं, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई का स्वर है। जिन परिवारों को आरक्षित भूमि पर बसाया जाना था, वे आज भी भूमिहीन हैं। सवाल सीधा है, जब भूमि उपलब्ध है और आदेश स्पष्ट है, तो फिर पुनर्वास क्यों लंबित है। इसी पीड़ा और प्रश्न को लेकर डूबान प्रभावितों ने लोकतांत्रिक मार्ग चुनते हुए धमतरी से नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा तक पैदल मार्च का निर्णय लिया है। 25 फरवरी को प्रारंभ होकर 27 फरवरी को विधानसभा घेराव तक पहुँचने वाला यह मार्च केवल कदमों की यात्रा नहीं, बल्कि वर्षों के इंतज़ार, संघर्ष और न्याय की पुकार की यात्रा है। यह आंदोलन अहिंसात्मक होगा, अनुशासित होगा, संवैधानिक होगा परंतु मौन नहीं होगा। लोकतंत्र में यदि न्यायालय के आदेश भी प्रभावी न हों, तो जनता का सड़क पर उतरना व्यवस्था के लिए चेतावनी है। डूबान संघर्ष समिति ने प्रशासन से अनुमति की मांग की है और स्पष्ट किया है कि मांगों के समाधान तक गांधी मैदान धमतरी में अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। अब निर्णय शासन के हाथ में है, क्या न्याय फाइलों में बंद रहेगा या ज़मीन पर उतरकर प्रभावित परिवारों को उनका अधिकार दिलाएगा। उक्त जानकारी हरिशंकर मरकाम कार्यकारी अध्यक्ष डूबान संघर्ष समिति द्वारा दी गई।

देवपुर में नेचर कैंपिंग का शुभारंभ,इको पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बलौदाबाजार। वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत वन परिक्षेत्र देवपुर स्थित इको पर्यटन नेचर कैंप मड हाउस का सोमवार को औपचारिक लोकार्पण किया गया। यह नेचर कैंप प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित किया गया है जिसमें स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक निर्माण शैली का समावेश किया गया है। मड हाउस की स्थापना का उद्देश्य प्रकृति के निकट पर्यटन अनुभव प्रदान करना, पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना तथा स्थानीय समुदाय को आय के स्थायी अवसर उपलब्ध कराना है। इस पहल के माध्यम से देवपुर क्षेत्र में ईको-पर्यटन गतिविधियों को सशक्त करने, ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।इस पहल से स्थानीय समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ इको-पर्यटन गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। इसी क्रम में बारनवापारा अभ्यारण्य के पर्यटन ग्राम में नव निर्मित रिसेप्शन भवन का भी शुभारंभ प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी एवं जैव विविधता) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक अरुण कुमार पांडे की उपस्थिति में किया गया। यह नया रिसेप्शन परिसर बारनवापारा की विशिष्ट पहचान, समृद्ध जैव विविधता एवं प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित करने की दृष्टि से विकसित किया गया है। परिसर में स्थानीय वनस्पतियों, वन्यजीवों एवं पर्यटन संभावनाओं को समाहित करते हुए एक आकर्षक एवं उपयोगी स्वागत केंद्र का निर्माण किया गया है, जिससे आगंतुकों को अभ्यारण्य की पारिस्थितिक विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त हो सके। प्रधान मुख्य वन संरक्षक' अरुण कुमार पांडे ने कहा कि इको-पर्यटन आधारित ऐसे प्रयास न केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर, महिला स्व सहायता समूह देवपुर, नेचर कैंप इको-पर्यटन संचालन समिति के सदस्य, वन प्रबंधन समिति देवपुर के अध्यक्ष एवं सदस्य, बारनवापारा अभ्यारण्य के अधिकारीगण, परिक्षेत्र अधिकारी देवपुर सहित समस्त अधीनस्थ अधिकारी एवं वनकर्मी उपस्थित रहे।

जुआ फड़ सजवाने वाले बड़े माफिया को आखिर किसका संरक्षण..?

पुलिस की कार्यवाही मात्र खानापूर्ति बनकर रही, नागरिक उठा रहे सवाल

धमतरी। जिले में पिछले लंबे समय से सट्टा, जुआ, अवैध शराब, चाकूबाजी, सूखा नशा, अड्डेबाजी जैसे गैर कानूनी काम की लगातार घटनाओं से जागरूक नागरिकों में चिंता की लहर है। इस मामले को लेकर इन्होंने पुलिस महानिरीक्षक के नगर आगमन पर दिये गये उस बयान को जिसमें कहा गया था कि उपरोक्त घटनाओं पर अंकुश लगाया जाये, असफल होने पर अधिकारियों के ऊपर स्थानांतरण जैसी कार्यवाही की जा सकती है। उनके बयान के आधार पर जिला पुलिस में अवैध कृत्य को करने वाले लोगों पर नकेल कसी गई। अनेक ऐसे जुआ, सट्टा, शराब के प्रकरण बनाये गये। लेकिन इसे संचालित करने वाले लोगों का नाम अब तक पुलिस पकड़ से बाहर है। खबर तो यह भी है कि ग्रामीण क्षेत्र के थानों, चौकियों के ईर्दगिर्द बकायदा अनुमति देकर जुआ फड़ चलाया जा रहा है। इसकी जानकारी संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारी को भी है। लेकिन उनके द्वारा सांठगांठ होने की वजह से ऐसा कृत्य करने वाले अब तक बचे हुए हैं। चर्चा तो यह भी है कि राजिम क्षेत्र का रहने वाला नामी गिरामी शख्स जिसकी जिले में तूती बोल रही है, उसके संरक्षण में अनेक स्थानों पर जुआ फड़ संचालित हो रहा है। उक्त जुआ फड़ में भाग लेने वाले लोगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है और उनसे इस एवज में लाखों रूपये का नाल वसूला जा रहा है। जुआ फड़ सजाने वाले बड़े माफियाओं को आखिर किसका संरक्षण है, यह बात क्षेत्र की जनता लगातार विभाग के अधिकारियों से पूछ रही है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी से बकायदा अनुमति लेकर उक्त फड़ सजाया जा रहा है जिसमें जिले के ही नहीं अन्य शहर के लोग भी अपना भाग्य आजमाने धमतरी जिला पहुंचते हैं। समय रहते अगर इस पर नकेल नहीं कसी गई तो अनहोनी घटना घटने से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस विभाग द्वारा पूर्व वर्षों में जिले के जिम्मेदार नागरिकों को बुलाकर जिले के हालात पर और उनके क्षेत्रों में होने वाले अपराधिक गतिविधियों की जानकारी ली जाती रही है। लेकिन नये सिस्टम के तहत ऐसे लोगों को कोई तवज्जो नहीं दिया जा रहा है जिससे न सिर्फ शहर बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जुआ, सट्टा, अवैध शराब, चाकूबाजी, सूखा नशा, अड्डेबाजी करने वालों के हौसले बुलंद हैं। इसका एक कारण यह भी है कि पुलिस विभाग में ही कुछ ऐसा चल रहा है जिसके चलते उनमें भी अपने एक वरिष्ठ अधिकारी की ज्यादती बताई जाती है। इसीलिये ऐसे कर्मी जो जिले के हर क्षेत्र में होने वाले अपराध की सूचना देते थे, उन्होंने अपने मुंह पर ताला लगा लिया है। यही हाल जागरूक नागरिकों का भी है जिनको पूर्व अधिकारियों ने विचार विमर्श हेतु समय समय पर बुलाये जाने की प्रक्रिया लागू की थी। लेकिन अब यह पूरी तरह बंद है। इस कारण भी पुलिस विभाग के अधिकारी धड़ाधड़ हो रहे अपराध चाकूबाजी, सट्टा, जुआ, अड्डेबाजी जैसे अवैध कृत्य को नहीं रोक पा रहे हैं। शाम होते ही शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसा कोई इलाका नहीं जहां अनेक युवक नशाखोरी करते दिखाई देते हैं जिनके द्वारा सड़कों को जाम कर गुजरने वाली महिलाओं से छेड़छाड़ करते हैं। साधन संपन्न घर की महिलाएं एवं उनके परिवार द्वारा हालांकि इस घटना की रिपोर्ट नहीं की जाती। ऐसे लोगों को भय है कि अपराध पर पुलिस विभाग अंकुश नहीं लगा सका है।

हम रिपोर्ट करेंगे तो उल्टा हमें ही ऐसे अड्डेबाजी करने वालों का शिकार होना पड़ेगा। पिछले दिनों से कुछ अवैध शराब विक्रेताओं, सट्टेबाजी करने वालों, जुआ खिलाने वालों को दिखावे के लिये पकड़कर उन पर कार्यवाही की गई थी। इसके बाद अपराधों की संख्याओं में लगातार वृद्धि हो रही है। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शाम होते ही नशाखोरी करने वालों की तूती बोलती है। पुलिस की कॉम्बींग गश्त इनके समक्ष कोई मायने नहीं रखती। झुंड में बैठे अजीबो-गरीब ढंग का बाल कटाये ऐसे लोगों को देखने से ही आम नागरिकों को भय लगता है। पूर्व वर्षों में पुलिस विभाग के आला अधिकारियों ने मिशन हिप्पी चलाया था जिनमें ऐसे युवकों को लंबे-लंबे बाल रखने से मनाही की गई।

जब ये नहीं माने तो इनको पकड़-पकड़कर उनके बाल कटवाये गये। लेकिन आज उल्टा चल रहा है। जितने भी आरोपी अपराध में संलिप्त पाये गये हैं उनमें अधिकांश युवकों के द्वारा अजीबो-गरीब ढंग का बाल रखा पाया गया। ऐसे ही लोग पुलिस के समक्ष चुनौती बने हुए हैं। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह हैकि जिला पुलिस बल में अशांति का माहौल निर्मित है जिसका कारण यहां पदस्थ एक अधिकारी को ठहराया जा रहा है। इनके द्वारा पूर्व में भी अपनी मनमानी करते हुए थाना प्रभारी, निरीक्षक के स्थान पर हवलदार और एएसआई की नियुक्ति को लेकर भी सवाल खड़े किये गये। हालांकि पॉयनियर ने मिली खबर के मुताबिक समाचार प्रकाशन किया जिसका असर यह रहा कि उक्त थाना चौकियों में जिम्मेदार अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई। जिले में जिस स्तर पर उपरोक्त अपराध बढ़-चढ़कर सामने आ रहे हैं, उसका मुख्य कारण ऐसे ही युवकों की टोलियां हैं जो शराब, जुआ, सट्टा, चाकूबाजी, अड्डेबाजी, सूखा नशा का सेवन कर अपने जेब में रखे चाकू से विवाद होने पर सामने वाले के ऊपर वार कर देते हैं जिसका उदाहरण पिछले दिनों चौथिया में आये एक परिवार से दिया जा सकता है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। विश्व कप टी-20 क्रिकेट मैच में सट्टा खेलने और खिलाने वालों की तादाद मैच के प्रारंभ होने से लेकर अब तक बनी हुई है। इस मामले में मैच जब अंतिम चरण में पहुंच चुका है, एक व्यक्ति को वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे मैच का सट्टेबाजी खिलाते पुलिस द्वारा पकड़ा गया है। लेकिन इसके पहले भी लंबे-लंबे दांव लगाये गये और खेलने, खिलाने वालों की पहुंच के चलते पुलिस ऐसे लोगों पर कार्यवाही नहीं कर सकी। जो आरोपी जिम्बाब्वे मैच के दौरान सट्टा खिलाते पकड़ा गया है, उसे पकड़कर ही मामले की इतिश्री कर ली गई जबकि उससे पूछताछ करने पर अनेक ऐसे लोगों के चेहरे सामने आते जो मैच में लाखों रूपये का जुआ लगाते आ रहे हैं किंतु पुलिस ने उससे पूछताछ न कर उसे विधिवत कार्यवाही कर दिया। अभी भी शहर में जुआ, सट्टा, अवैध शराब, चाकूबाजी, सूखा नशा, अड्डेबाजी का जिले में बोलबाला है। सभ्य घराने के लोग शाम होते ही बहुत कम बाहर सफर करने का इरादा कर पाते हैं वहीं पुलिस की उपस्थिति दर्शाने के लिये एक चालक आरक्षक खाली वाहन में सायरन बजाते हुए पुलिस की उपस्थिति का संदेश देता है जो शहर में ही भ्रमण करता है। नियमतः वरिष्ठ अधिकारियों को समूचे गली एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी वाहनों को स्टाफ के लोगों के साथ भेजना चाहिये। जो ऐसे अपराधों में लिप्त हों, उन पर फौरी कार्यवाही होने से ऐसे अपराधों पर अंकुश लग सकता है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने परिवहन मंत्री कश्यप को घेरा

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित छत्तीसगढ़ में सुगम यातायात की नीति को लेकर एवं सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती मौतों को लेकर आज सदन में सत्ता पक्ष के सुनील सोनी, अजय चन्द्राकर और अनुज शर्मा ने सरकार को घेरा और पूछा कि सड़क दुर्घटना को रोकने और मुआवजा का क्या-क्या प्रावधान है, इसकी जानकारी दें। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि अभी तक सड़क दुर्घटनाओं में 6898 लोगों की मौत हुई, जिसमें से 76 लोगों को मुआवजा दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायल लोगों के उपचार के लिए 7 जिले में विशेष व्यवस्था की गई है। रायपुर के विधायक सुनील सोनी ने भाटागांव रिंग रोड में सड़क दुर्घटनाओं के बारे में चिंता जताई उन्होंने ने कहा कि राजधानी में सुगम यातायात और सड़क दुर्घटनाओं को लेकर कार्यवाही की जा रही है। परिवहन मंत्री ने बताया कि फाफाडीह चौक, जयस्तम्भ चौक सहित कई प्रमुख चौकों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसके अलावा लेफ्टर्न की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायलों का उपचार किया जाता है। भाजपा के अजय चन्द्राकर ने कहा कि एक निगरानी समिति बनाई गई थी, धारा 149 में इसकी चर्चा भी हुई थी, लेकिन क्रियान्वयन नहीं हुआ। उन्होंने बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। परिवहन मंत्री ने बताया कि ब्लैक स्पॉट खत्म किए जा रहे हैं, इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस का अनुमोदन किया जा रहा है। भाजपा के अनुज शर्मा ने भी परिवहन नियमों का पालन नहीं करने के कारण सड़क दुर्घटना पर चिंता जताई। सभापति धरमजीत सिंह ने सदस्यों से आग्रह किया कि एक-एक करके प्रश्न पूछे। सड़क दुर्घटनओं के रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है।

संकल्प से सिद्धि की दिशा में बजट, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बताया दूरदर्शी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने इसे राज्य के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जो समावेशी विकास, अधोसंरचना विस्तार और निवेश को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। किरण देव ने कहा कि बजट राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने, मानव संसाधन को मजबूत करने और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की सोच को दर्शाता है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप बताते हुए छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में अहम बताया। उन्होंने आगे कहा कि बजट में कृषि और सिंचाई क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। वहीं युवाओं के कौशल विकास, स्वरोजगार और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन पर जोर दिया गया है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और ग्रामीण क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए किए गए प्रावधानों की भी उन्होंने सराहना की। विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास से जुड़े प्रावधानों को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। किरण देव ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य के समग्र विकास और हर वर्ग के उत्थान का रोडमैप प्रस्तुत करता है।

चरणदास महंत ने बजट पर उठाए सवाल, सरकार ने बताया विकासोन्मुख

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश किए गए वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कई मुद्दों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह बजट गति का नहीं, बल्कि दुर्गति का बजट है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में युवाओं, महिलाओं और रोजगार से जुड़े विषयों पर अपेक्षित स्पष्टता नहीं दिखती और कई घोषणाएं जमीनी स्तर पर असरकारी नहीं नजर आतीं। वहीं राज्य सरकार का कहना है कि संकल्प थीम पर आधारित यह बजट प्रदेश के समग्र विकास, अधोसंरचना, निवेश और जनकल्याण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरकार का दावा है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और विभिन्न वर्गों को लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर बजट को लेकर पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आए हैं, जिससे इस पर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है।

बजट पर सियासत तेज, सुशील आनंद शुक्ला ने जताई निराशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बजट 2026-27 को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे आम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बताया और विभिन्न क्षेत्रों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा, कृषि और उद्योग से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित प्रावधान स्पष्ट रूप से नजर नहीं आते।

विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित छत्तीसगढ़ की ओर तेजी से बढ़ रहा प्रदेश

व्यापार एवं उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कंफेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है और दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है। उन्होंने बताया कि इस बजट में विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा क्षेत्र पर किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र केरल राज्य से भी बड़ा क्षेत्र है और प्राकृतिक

रूप से अत्यंत सुंदर है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है, लेकिन चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व तथा हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस के कारण नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नक्सली सक्रिय थे, लेकिन विगत दो वर्षों में हमारे जवानों ने जिस तरह से नक्सलवाद के खिलाफनिर्णायक लड़ाई लड़ी है, उसमें कई बड़े माओवादी मारे गए हैं तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इससे राज्य अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माओवाद के कारण इन क्षेत्रों में समुचित विकास नहीं हो पाया था, जिसकी भरपाई के लिए अब सरकार इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि सरकार ने अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी के लिए बजट में प्रावधान किया है। साथ ही क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने और फॉरेस्ट प्रोड्यूस के वैल्यू एडिशन पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा दोनों संभागों में सैकड़ों प्रकार के वन उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनका मूल्य संवर्धन कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बजट पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए है और प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं तथा उद्योग नीति के तहत काटे जाने वाले पेड़ों की भरपाई भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण से की जा रही है।

आरोपी पति ने दोस्तों के साथ मिलकर की थी पत्नी की हत्या

रायपुर। संवाददाता

जिले के डोंगरगढ़ थानाक्षेत्र के ग्राम भैंसरा स्थित बाबा आम बगीचा में मिली महिला की लाश के मामले को पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाया लिया है। मृतका का पति के चरित्र पर संदेह करता था जिसके चलते उसने अपने दो सहयोगियों के साथ मिलकर हत्या की थी और पत्थर से महिला के सिर को कुचलकर पहचान छिपाने की कोशिश की थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि दिनांक 22-02-2026 को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भैंसरा, बाबा आम बगीचा में नदी के पास एक अज्ञात महिला उम्र लगभग 35-40 वर्ष की किसी अज्ञात आरोपी द्वारा पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई है। सूचना पर थाना डोंगरगढ़ में धारा 103(1) 61 (2), 238 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना क्रम की सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई जिस पर प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक एवं अलेक्जेंडर किरो उप पुलिस अधीक्षक साइबर सेल द्वारा घटना स्थल पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के गंभीरता को देखते हुये टीम बनाकर जिसमें थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक संतोष जायसवाल एवं साइबर सेल निरीक्षक विनय कुमार पम्मार के नेतृत्व में थाना डोंगरगढ़ स्टाफ एवं साइबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल अज्ञात मृतक के संबंध में हरसंभव पतासाजी प्रारंभ की गई। पतासाजी के दौरान मृतिका की पहचान पुर्णिमा नेताम पति सुनील कुमार नेताम उम्र 35 वर्ष निवासी रविदास नगर/मायका ग्राम चौथना थाना डोंगरगढ़ राजनांदगांव के रूप में की गई। तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की पतासाजी के संबंध में उसके पति सुनील नेताम के संबंध में जानकारी एवं पूछताछ किया गया तो पता चला की घर पर नही है।

संत रविदास समाज ने राज्यसभा प्रत्याशी बनाने की मांग कांग्रेस भाजपा से की

रायपुर। राज्यसभा में रविदास समाज अनुसूचित जाति को प्रतिनिधित्व देने की मांग श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ छग ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं कांग्रेस के प्रदेशध्यक्ष दीपक बैज से लिखित पत्र भेजकर की है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में शिरोमणि रविदास विश्व महापीठ छग के प्रदेश प्रवक्ता बुद्धेश्वर कुमार सोनवानी ने देते हुए बताया कि पिछले 26 वर्षों से समाज का एक भी व्यक्ति लोक सभा विधान सभा एवं राज्य सभा में प्रत्याशी नहीं बन पाया है। समाज की मांग है कि राज्यसभा के लिए संत रविदास समाज द्वारा पांच छह चयनित नामों से किसी एक नाम पर योग्यता के आधार पर विचार कर उसे प्रत्याशी बनाया जाए।

रायपुर को मिली विकास की नई उड़ान

बृजमोहन अग्रवाल ने संकल्प बजट को बताया ऐतिहासिक

रायपुर। संवाददाता

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के 'संकल्प' बजट का हृदय से स्वागत किया है। उन्होंने इस बजट को जन-आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और राज्य के सर्वांगीण विकास का रोडमैप बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओ पी चौधरी को बधाई दी है। सांसद श्री अग्रवाल ने विशेष रूप से रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी अब आधुनिकता और सुविधाओं के नए मानक स्थापित करेगी। बजट की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि , कालीबाड़ी स्थित जिला अस्पताल में 200 बिस्तरों वाले मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का निर्माण मातृ-शिशु स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही, रायपुर में नए होम्योपैथी कॉलेज की स्थापना से चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 25 करोड़ रुपये की लागत से मेगा परीक्षा केंद्र और राजधानी में 5 नए नालंदा पुस्तकालयों की स्थापना की जाएगी। सीजी-एसीई योजना (33 करोड़) से हमारे होनहार बच्चों को कोचिंग और करियर निर्माण में सीधी मदद मिलेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि, रायपुर लोकसभा के अंतर्गत शहरी कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना (200 करोड़) के तहत सड़कों और नालियों का कायाकल्प होगा।

मध्यप्रदेश से 10 हजार करोड़ रूपए छत्तीसगढ़ को अब तक क्यों नहीं....

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ कर्मचारी नेता वीरेन्द्र नामदेव ने राज्य विधानसभा में आज पेश किए गए आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के आम बजट पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया दी है । उन्होंने इस बजट को छत्तीसगढ़ सरकार के लाखों पेंशनरों के लिए बेहद निराशाजनक बताया है । श्री नामदेव ने यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी के बजट भाषण में पेंशनरों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्टता का अभाव रहा, जिससे वरिष्ठ नागरिकों के इस वर्ग में निराशा व्याप्त है। प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में अपने बजट भाषण में कहा कि पेंशन भुगतान का डिजिटलीकरण नहीं होने से अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं। आठ माह के प्रयासों के बाद इसे पूर्ण रूप से डिजिटलीकृत किया गया है। इस प्रक्रिया में यह तथ्य सामने आया कि छत्तीसगढ़ सरकार को मध्यप्रदेश सरकार से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की राशि प्राप्त होना है, जो भविष्य में मिलने पर पेंशन भार में कमी लाएगी। इस पर श्री नामदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के पेंशनरों की यह राशि वर्ष 2018-19 से आज तक मध्य प्रदेश में लंबित है । राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) के प्रावधान के तहत यह छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मिलनी चाहिए थी, जो नहीं मिली। नामदेव ने प्रश्न उठाया कि छत्तीसगढ़ के पेंशनरों की दस हजार करोड़ की इतनी बड़ी राशि की लेनदारी वर्षों तक मध्यप्रदेश में लंबित क्यों और कैसे रही? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? यह राशि छत्तीसगढ़ सरकार को कब और किस प्रक्रिया से प्राप्त होगी? इन महत्वपूर्ण प्रश्नों पर छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी आज के बजट भाषण में नहीं दी गई, जिससे पेंशनरों में निराशा व्याप्त है। बढ़ती महंगाई के इस कठिन समय में राज्य के पेंशनरों को उम्मीद थी कि उन्हें केन्द्र के समान तीन प्रतिशत महंगाई राहत (डी. आर.)जुलाई 2025 से एरियर्स सहित मिलेगी, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार के आज पेश हुए बजट से उन्हें इसमें भी निराश होना पड़ा है । श्री नामदेव ने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में राज्य सरकार द्वारा शासकीय सेवकों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू करने तथा इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किए ।

दुकानदार से गाली गलौच कर दी थी जान से मारने की धमकी,पुलिस की कार्यवाही

रायपुर। जिले के चौकी ऊपर कछार, थाना तपकरा क्षेत्र के सिंगीबहार में दुकानदार से गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने का विडियो वायरल होने के बाद संज्ञान लेते हुए जशपुर पुलिस ने कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार थाना तपकरा क्षेत्रांतर्गत दो व्यक्तियों के द्वारा एक दुकान में दुकानदार से गाली गलौज, व जान से मारने की धमकी देते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है, जिस पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह के निर्देश पर जशपुर पुलिस के द्वारा वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए जांच करने पर पता चला कि उक्त वीडियो चौकी ऊपर कछार, थाना तपकरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम सिंगीबहार का है, जिसमें दो संदिग्ध व्यक्ति क्रमशः रवि गुप्ता व युधिष्ठिर गुप्ता, जो कि पिता पुत्र हैं, व उड़ीसा राज्य के सरहदी ग्राम ललकिडीह के निवासी हैं, जिनके द्वारा 24.02.26 के सुबह करीबन 11 बजे, रमेश कुमार साहू, उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम सिंगी बहार, चौकी ऊपर कछार, थाना तपकरा के ग्राम सिंगी बहार में स्थित दुकान में जाकर, गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई है। जशपुर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रार्थी रमेश कुमार साहू, उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम सिंगी बहार, चौकी ऊपर कछार।

हर्बल गुलाल से और भी रंगीली होगी होली

■ विभिन्न रंगों और आकर्षक पैकेजिंग के साथ समूह द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल

■ हर्बल गुलाल से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी कबीरधाम ज़िले की महिला स्व-सहायता समूह महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। जनपद पंचायत बोडला के ग्राम राजा नवागांव की जय गंगा मैया स्व-सहायता समूह से जुड़ी दीदियों ने रंगोत्सव त्योहार होली के लिए हर्बल गुलाल का निर्माण किया है। महिला समूह ने हर्बल गुलाल के व्यवसाय से जुड़कर आजीविका के नए रास्ते खोले है। इस गतिविधि में 10 महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी है, जो उनके आय का अच्छा स्रोत है। लाल, गुलाबी, पीले सहित अन्य रंगों और प्रकृति खुशबू से भरपूर हर्बल गुलाल बाजार में आने के लिए उपलब्ध है। कलेक्टर कबीरधाम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष होली के अवसर पर जिले की विभिन्न महिला समूह द्वारा हर्बल गुलाल का निर्माण किया जाता है। कलेक्टोरेट, सभी जनपद पंचायत कार्यालय एवं अन्य स्थानों पर उनके द्वारा स्टॉल लगाकर हर्बल गुलाल की बिक्री की जाती है। समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए गुलाल पूरी तरह से प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाजार में मिलने वाले अन्य रंगों की तुलना में सस्ता होता है। हर्बल गुलाल की पैकेजिंग बहुत आकर्षक है और यह उपहार देने के भी बहुत अच्छा है। हर्बल गुलाल अनेक रंगो के साथ अलग-अलग मात्रा में पैकेजिंग सहित उपलब्ध है। गतवर्ष भी हमने देखा है कि समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए हर्बल गुलाब को क्षेत्रवासियों ने बहुत पसंद किया है और इस व्यवसाय से जुड़कर हमारी ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बहुत से समूह इसका निर्माण करते है। प्रत्येक समूह को इस व्यवसाय द्वारा 50 से 60 हजार रुपए का लाभ हो जाता है। हर्बल गुलाल की अच्छी गुणवत्ता और आकर्षक पैकिंग सभी को पसंद आती है। योजना से जुड़े मैदानी कर्मचारियों द्वारा समूह को मौसमी व्यवसाय करने के लिए प्रेरित करते हुए हर्बल गुलाल का निर्माण करने प्रोत्साहित किया जाता है। इसके निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की उपलब्धता के लिए समूह को सहायता प्रदान की जाती है। हर्बल गुलाल प्राकृतिक सामग्री जैसे फूल-पत्तियों आदि से बनाए जाते हैं और त्वचा के लिए यह पूरी तरह से सुरक्षित होते हैं। इसके साथ हर्बल गुलाल के और भी कई फायदे हैं। हर्बल गुलाल में प्राकृतिक रंग होता हैं।

विकास शर्मा को बिजली बिल से मिली राहत

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं विकास शर्मा के लिए हुआ लाभकारी सिद्ध.........

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। साथ ही भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ ऊर्जा-दाता भी बन रहे हैं। सूरजपुर जिला के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम लडूवा निवासी श्री विकास शर्मा ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर

माह उनका बिजली बिल अधिक आता था, परन्तु सोलर पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। साथ ही इसके अलावा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पडने पर भविष्य में किया जा सकता है। श्री विकास शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें। श्री शर्मा ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट पीएमसूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट ईन या पीएम सूर्यघर मोबाइल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है।

संपादकीय

दुनिया में गहराता जल संकट

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है। जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुन–सामान्य हो जाएंगे। मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है।

धरती का तापमान न बढ़े, इसके लिए कवायद तो हो रही है, लेकिन दुनिया भर के देशों की वर्तमान नीतियां ऐसी हैं जो तापमान को 2.3 से 2.5 डिग्री तक ले जा सकती हैं। हालांकि कई देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया है। फिर भी 29 देशों में कार्बन उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, भारत कम उत्सर्जन के साथ मध्यम प्रदर्शन कर रहा है। 'कार्बन मार्केट वाच' की रपट बताती है कि वर्तमान समय में विश्व के कई बड़े देश जलवायु परिवर्तन रोकने में सफल नहीं रहे हैं। लिहाजा 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लाने की जरूरत है। मगर इसकी उम्मीद अभी नहीं दिख रही है। कई बड़े उद्योगों का कामकाज जलवायु लक्ष्यों के अनुकूल नहीं है। सच यह है कि वैश्विक तापमान बढ़ने से रोकने के प्रयास अपर्याप्त हैं। पिछले जी-20 सम्मेलन में शामिल देशों में वर्ष 2050 तक पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक रखने पर सहमति बनी थी। यह अच्छी बात है कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देता है।

लक्ष्य से दूर कार्बन उत्सर्जन पर लगाम, भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां

(सुशील कुमार)

मगर यह भी सच है कि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ जलवायु अनुकूलन का तालमेल स्थापित करने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है।गौरतलब है कि वर्ष 2022 में भारत ने कई महीनों तक गर्म हवाओं, बाढ़ और चक्रवात जैसी विषम मौसमी घटनाओं का सामना किया था, जिससे जन-जीवन से लेकर लोगों की आजीविका तक प्रभावित हुई। साथ ही विकास कार्यों के लिए यह स्थिति बाधा बनी रही।

'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं: 'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं है, बल्कि इन गैसों को दूसरे कामों से संतुलित करना भी है। ऐसी अर्थव्यवस्था भी तैयार करना है, जिसमें जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल न के बराबर हो। साथ ही कार्बन उत्सर्जन करने वाली दूसरी चीजों का इस्तेमाल भी कम से कम हो। अभी जितना कार्बन उत्सर्जन किया जा रहा है, उसी के अनुपात में उसे अवशोषित करने का भी इंतजाम हो।

यह पर्यावरण संरक्षण से ही संभव है। यदि कार्बन उत्सर्जन एक निश्चित मात्रा में होता है और उत्सर्जन करने वाली इकाई उसी अनुपात में पेड़ों को महत्त्व देती है, तो कार्बन उत्सर्जन और अवशोषण की समानता के कारण उत्सर्जन को शून्य स्तर पर ले जाना आसान हो जाएगा। मगर मौजूदा दौर में जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उससे अब शून्य उत्सर्जन के बारे में सोचना सपना ही लगता है। फिलहाल दुनिया में केवल दो देश भूटान और सूरीनाम ही हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। इसकी वजह वहां कम आबादी और चारों तरफ हरियाली है।

महज वादे करने और इरादे जताने भर से इस उत्सर्जन को शून्य पर लाना संभव नहीं है। छोटे-बड़े कई देशों ने संकल्प तो जताया, लेकिन उत्सर्जन रोकने के के ठोस उपाय नहीं किए। नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह होता रहा, तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। यह पूरी दुनिया के लिए भयावह होगा। लोगों को भीषण सूखा से लेकर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। हिमखंड और अधिक पिघलेंगे। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। ऐसे में कई देशों के सामने अस्तित्व का संकट पैदा होगा।

दुनिया के 192 देश संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का हिस्सा हैं। इनमें 137 देश शून्य उत्सर्जन का समर्थन करते हैं। देखा जाए, तो कुल ग्रीनहाउस उत्सर्जन में इनकी हिस्सेदारी 80 फीसद है। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन करने वाले चीन और अमेरिका भी इसी में शामिल हैं। चीन ने वर्ष 2026 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस मामले में वह कितना खरा उतरेगा, कहना मुश्किल है। दूसरी

ओर, जर्मनी और स्वीडन जैसे देश 2045 तक, जबकि आस्ट्रिया, फिनलैंड और उरूग्वे ने अलग-अलग समय में शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है।

कई देश वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं अमेरिका के अलावा ऐसे कई देश हैं जो इस मामले में कहीं आगे जाकर वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं। इस बीच सुखद यह है कि जलवायु परिवर्तन की इस चुनौती के बीच भारत के वन क्षेत्र में वर्ष 2021 के दौरान तीन फीसद से अधिक बढ़ोतरी हुई। वैसे भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर दूसरे देशों के मुकाबले कहीं अधिक चिंतित है। इस समय वह नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष जोर दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-26) में भारत ने इस मामले में अपना पक्ष रखा था। अभी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा को किसी भी तरह कम किया जाए। दूसरा यह कि अपनी 50 फीसद ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा से कैसे पूरा किया जाए। वहीं कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते जाना है।

इसके अलावा, वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य तो है ही। हालांकि समय की कसौटी पर कौन कितना खरा उतरेगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को कितना नुकसान हुआ है, यह अब पूरी दुनिया में दिखने लगा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में हरित विकास पर जोर दिया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी बनाना और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।

बजट में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी बड़ी राशि आबंटित की गई है और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रानिक वाहनों तथा परमाणु ऊर्जा के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष के बजट में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने की पहल दिखती है। हरित ऊर्जा गलियारा, परमाणु ऊर्जा पर जोर और हरित बुनियादी ढांचा- ये सब ऐसे संदर्भ हैं, जिस पर भारत 'पृथ्वी प्रथम' की नीति को महत्त्व देता है। जबकि कुछ ताकतवर देश अपनी नीतियों में 'देश प्रथम' को महत्त्व दे रहे हैं। नतीजा यह कि इसकी कीमत शेष देश चुका रहे हैं। भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां दुनिया भर के देश अगर किसी भी तरह जल्दी अथवा धीरे-धीरे ही सही कार्बन उत्सर्जन कम करने का संकल्प करें, तो न केवल पृथ्वी, बल्कि पर्यावरण को भी बचाया जा सकता है। यह निराशाजनक ही है कि कार्बन उत्सर्जन पर लगाम के मुद्दे पर दुनिया के देशों में कागजी एकजुटता तो देखने को मिलती है, लेकिन जमीनी स्तर पर वे सार्थक पहल करते नहीं दिखते। वहीं विकसित और विकासशील देशों के बीच नाहक ही इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप चलता रहता है। सभी को सोचना होगा कि भौगोलिक सीमाओं में बेशक सभी देश बंटे हुए हैं, लेकिन धरती तो एक ही है और सभी को मिल कर उसे बचाना है। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि 'राष्ट्र प्रथम' की नीति लेकर नहीं, बल्कि वैश्विक सुशासन के साथ काम करना होगा। फिलहाल भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां हैं। अगर यह कार्बन उत्सर्जन पर सख्ती से कदम उठाता है, तो इसके दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं। सच भी है कि अन्य विकसित और विकासशील देशों की तुलना में भारत कार्बन उत्सर्जन के मामले में संयमित देश है और यह अपने संकल्प को पूरा करने की कोशिश करता है। पश्चिमी राजस्थान में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बड़ी संख्या में राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' को काटे जाने और गांवों की चरागाह भूमि के अधिग्रहण का व्यापक स्तर पर विरोध होना कोई सामान्य घटना नहीं है। स्थानीय लोगों की ओर से इन दरख्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पारंपरिक चरागाहों के संरक्षण की मांग ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि जिस सौर ऊर्जा को पर्यावरण हितैषी माना जाता है, क्या उसी के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना उचित है?

कुछ तो शर्म करते, हार के बाद दर्द में था पूरा देश, हंस रहे थे कप्तान सूर्यकुमार यादव

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार ने पूरे भारत को दर्द दिया, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऐसा दिखाया जैसे कुछ हुआ ही ना हो। वो शायद भूल गए कि उन्होंने

एक ऐसा मैच गंवाया है जिसकी वजह से वो सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक भी सकते हैं।

हंसना सेहत के लिए अच्छा है, खूब हंसिए, हमेशा हंसिए, लेकिन उस वक्त मत हंसिए जब पूरा देश दर्द में हो। ये हंसना सबकी तकलीफ और बढ़ा गया और ऐसा किया भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 के मैच के बाद जब सूर्यकुमार यादव प्रजेंटेशन के लिए मैदान पर आए वो तब भी हंस रहे थे मानो कुछ हुआ ही ना हो। मानो उनके हाथ कोई खजाना लग गया है।

वहीं भारत को हराने के बाद जब साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम प्रजेंटेशन में आए तब उनके चेहरे पर गंभीरता थी। वो चाहते तो सूर्यकुमार से ज्यादा हंस सकते थे, लेकिन वो गंभीर नजर आए मानो कह रहे हों कि अभी मिशन कंप्लीट नहीं हुआ है। अभी आगे का सफर बाकी है और उसके बाद ही हमारे लिए खुशियां आएंगी।

अब बात सूर्यकुमार यादव की कर लेते हैं। याद करिए अहमदाबाद में मुकाबले से पहले जब सूर्यकुमार यादव प्रेस कांफ्रेंस में आए थे तब वो पत्रकारों के सवालों का इस तरह से जवाब दे रहे थे मानो उनकी टीम के सामने कोई कुछ है ही नहीं। सवाल जब संजू सैमसन को टीम में जगह देने की हुई तो हंसते हुए कहा कि तो क्या अभिषेक और तिलक वर्मा को टीम से बाहर कर दें तो साहब साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने क्या कर लिया ये हम सबने देख लिया। सूर्यकुमार यादव मैच से पहले भी प्रेस कांफ्रेंस में हंसते हुए नजर आ रहे थे और वो खुद काफी आत्मविश्वास में नजर आए और उन्होंने खिलाड़ियों का पक्ष भी लिया। उस वक्त ये हंसी अच्छी लगी क्योंकि टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच खेलना था, लेकिन जब मैच हुआ और भारत को टी20 वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी हार (रन के लिहाज से) मिली तब सूर्यकुमार की हंसी चुभी। अरे हारने के बाद कुछ तो गंभीर रहते इस बात के प्रति की हमें भी ये हार बुरी लगी है और हमें इससे निराशा मिली है। आप हंस के क्या दिखाना चाह रहे थे कि अरे इस हार का कोई असर हम पर नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। आप अब इस स्थिति में हैं कि सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं। ओवरऑल भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को सबसे पहले अपने अति आत्मविश्वास का त्याग करना होगा और अपनी कप्तानी को भी पॉलिश करनी होगी कि आपको किस स्थिति में क्या करना है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जब भारतीय गेंदबाजो की पिटाई हो रही थी तब कप्तान को सूझ ही नहीं रहा था कि किसे गेंदबाजी के लिए लगाएं। अभी भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है, लेकिन इसके लिए भारत को बेहद ठोस प्लान के साथ उतरना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज की टीम भी अच्छी क्रिकेट खेल रही है।

तकनीक के जरिए मातृभाषाओं को बचाने की जरूरत

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। तकनीकी दौर में मातृभाषाएं सबसे ज्यादा संकट में हैं। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं को बोलना भी तकनीक से प्रभावित हो रहा है और लेखन तो पूरी तरह उसी पर निर्भर हो गया है। तकनीक की खासियत कहें या कमी, वह बाजार के लिहाज से खुद को विकसित करती है और अपने उत्पादों के लिए इसी नजरिए से शोध करती है।

(उमेश चतुर्वेदी)

चूंकि मातृभाषाओं में कई ऐसी हैं, जिन्हें बोलने या जिनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या बेहद कम है, इसलिए उनसे कमाई की संभावना कम है। चूंकि तकनीकी विकास में काफी धन लगता है, और मातृभाषाओं के एक हिस्से से कमाई की गुंजाइश नहीं दिखती, इसलिए तकनीक उनके सहज इस्तेमाल में दिलचस्पी नहीं दिखाती। इसलिए मातृभाषाओं की बड़ी संख्या लुप्त होने के कगार पर हैं। भारत को ही देखिए। साल 1961 की जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से भारत में 1652 भाषाएं थीं। लेकिन सिर्फ दस साल बाद यानी 1971 में यह संख्या घटकर महज 808 रह गई। ऐसा बदलाव तब हुआ, जब तकनीक का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब बात उससे भी आगे बढ़ चुकी है। 2013 के भारतीय लोकभाषा सर्वेक्षण के अनुसार, विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ जहां लुप्त हो गई हैं, वहीं 197 भाषाएँ खत्म होने की कगार पर हैं।

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। इसके बावजूद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मातृभाषाओं को लेकर कुछ इलाकों में सम्मोहन बरकरार है। शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए यूनेस्को ने जो थीम रखा है, वह बेहद अहम जान पड़ता है। यह थीम है, 'भाषाओं का महत्व– रजत जयंती और सतत विकास'। इस थीम का ध्येय वाक्य 'अनेक भाषाएँ, एक भविष्य' है। पूर्वी बंगाल में 1952 में शहीद हुए भाषा आंदोलनकारियों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की पिछले साल यानी 2025 में रजत जयंती थी। तब यूनेस्को ने इस दिवस को भाषाई विविधता, डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से सतत विकास पर जोर देने पर केंद्रित किया था। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हर साल यूनेस्को किसी न किसी अहम विषय को ध्येय बनाता है और उस नजरिए से पूरे साल भाषाई विविधता को विकसित करने और उन्हें लागू करने पर जोर देता है। इस बार के ध्येय वाक्य से साफ है कि यूनेस्को चाहता है कि विश्व के सतत विकास में मातृभाषाओं की महत्ता को रेखांकित किया जाए। मातृभाषाएं एक तरह से भाषायी लोकतंत्र को रचती हैं। इस लोकतंत्र को बचाए बिना विविधरंगी संसार को नहीं बचाया जा सकता। सोचिए, अगर उपभोक्तावाद, व्यक्तिवाद और तकनीकी वर्चस्व की वजह से एक रस और एक भाषायी संसार तैयार हो जाए तो दुनिया कितनी नीरस होगी, ज्ञान के तमाम स्रोत तब या तो सूख चुके होंगे या फिर भुला दिए गए होंगे। इसलिए मातृभाषाओं को बचाना और उन्हें सांस्कृतिक लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में जिंदा रखना जरूरी हो जाता है। यूनेस्को की ओर से घोषित 'भाषाओं का महत्व ङ्क रजत जयंती और सतत विकास' विषय, एक तरह से भाषायी विविधता, बहुभाषावाद और सतत विकास के बीच गहरे संबंधों को ही रेखांकित करता है। चूंकि यूनेस्को ने मातृभाषाओं को संरक्षित करने, भाषायी विविधता को जिंदा रखने और उन पर रश्क करने के साथ ही शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत है, इसलिए वह लगातार भाषाओं को बचाने का संदेश दे रहा है। दुनिया में इन संदेशों को सुना और समझा भी जा रहा है। चूंकि भाषाएँ सिर्फ संवाद का साधन ही नहीं होतीं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का अहम औजार भी हैं, लिहाजा प्राथमिक शिक्षा में उन पर जोर दिया जा रहा है। 2020 में आई भारत की नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषाओं में शिक्षा-विशेषकर प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा समावेशी होती है और बच्चों की समझ को बेहतर बनाने में मददगार होती है। इतना ही नहीं, इसके चलते बच्चे की सीखने की प्रक्रिया भी तेज होती है। मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के भी नतीजे बेहतर होते हैं। चूंकि सतत विकास में शिक्षा का स्थान अहम है और मातृभाषा आधारित शिक्षा बेहतरीन होती है, यही वजह है कि सतत विकास के लक्ष्यों को अब मातृभाषा के जरिए मिलने वाली शिक्षा में गंभीरता से खोजा जा रहा है। इसीलिए दुनिया एक बार फिर मातृभाषाओं के जरिए शिक्षा की ओर उन्मुख होती दिख रही है। जैसे-जैसे अधिकाधिक भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं, भाषायी विविधता खतरे में पड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व की 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल

रहा है, जिन्हें वे बोलते या समझते हैं। मातृभाषाओं का संरक्षण इसलिए भी जरूरी है कि स्थानीय समाज उनके जरिए शिक्षा हासिल कर सकें।

मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक नींव की आधारशिला है। यह सोचने, समझने और संवाद करने का सबसे सहज माध्यम है, जो बच्चे को उसकी विरासत से जोड़ती है। मातृभाषा में शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है, संज्ञानात्मक कौशल विकसित होते हैं, और दूसरी भाषाएं सीखना आसान हो जाता है।

मातृभाषा में शिक्षा से बच्चे की अवधारणाओं को समझने की क्षमता तेज होती है और रचनात्मकता बढ़ती है। मातृभाषा संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का मुख्य माध्यम है। व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को मातृभाषा में सबसे अच्छी तरह व्यक्त कर सकता है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है।

शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, जिन बच्चों की नींव मातृभाषा में मजबूत होती है, मातृभाषाओं से इतर भाषाओं में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। मातृभाषाएं परिवार और समुदाय से एक मजबूत भावनात्मक संबंधों की गारंटी भी होती हैं।

दुनिया की हर मातृभाषा अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास की संवाहक है। इसी वजह से दुनियाभर के मानवशास्त्री मानते हैं कि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण जरूरी है। इतना ही नहीं, मातृभाषाएँ आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं, इस लिहाज से वे समावेशी समाज के निर्माण में भी सहायक मानी जाती हैं। मानवशास्त्रियों के अनुसार, स्थानीय भाषाएँ ज्ञान का खजाना हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना आवश्यक है। इसीलिए यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाषायी विविधता और बहुभाषावाद का उपयोग सहयोगी हो सकता है। इससे विश्व स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए जरूरी है कि मातृभाषाओं को तकनीक के लिहाज से विकसित किया जाए। यह कार्य सार्वजनिक संस्थान और सरकारें ही कर सकती हैं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गोरखपुर के सांसद रवि किशन का जलवा इन दिनों संसद से लेकर सडक तक हर जगह बरकरार है। संसद में जहां वे अपनी बातों को लेकर मुखर रहते हैं , वहीं सड़क पर यानि अपने चहेतों के बीच उनका किरदार सबके सर चढ़कर बोलता है। इसी हकीकत को सही साबित कर रही है, उनकी फिल्म 'सायको सैया' सायको सईया क्या है ये तो अभी अंधेरे में है और फिल्म रिलीज होने के बाद ही दर्शकों को पता चलेगी।

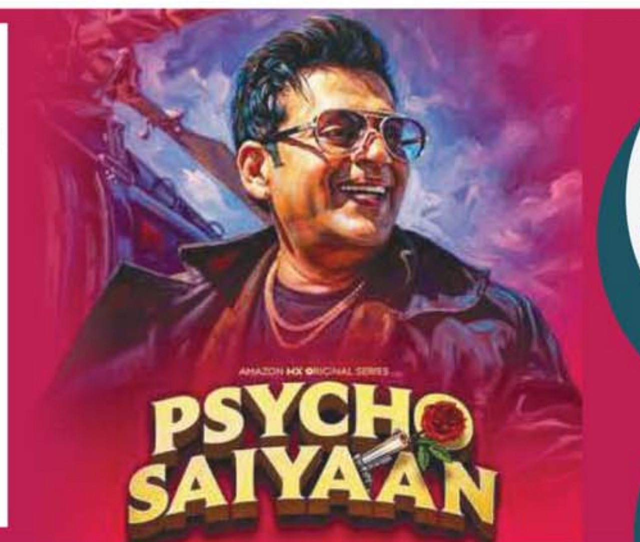

'सायको सइयां' रवि किशन का डिजिटल धमाका

लेकिन फ़िल्म के ट्रेलर ने यह बता दिया है की फ़िल्म में है दम,तभी तो इस ट्रेलर ने सभी नामचीन फिल्म और सीरीज को धूल चटा दिया है। आंकड़ों की माने तो सायको सईया के ट्रेलर ने सभी नामचीन ओ टी टी के नामचीन शो को बौना साबित कर दिया है। चाहे वो हीरामंडी हो, खाकी हो, नाईट मैनेजर हो, फ़र्ज़ी हो, आई सी 814 हो, ट्राइल हो, बासतर्ड ऑफ़ बॉलीवुड हो, रुद्रा हो या तस्करी, जी हां ये सारे शो रवि किशन के आगे पानी कम चाय साबित हुए हैं। रवि किशन ने इसके लिए अपने फैन्स का आभार व्यक्त किया है और कहा है ये सबका श्रेय उनके फैन्स को ही जाता है जो उनकी फिल्म हो या सीरीज सबको देखने के लिए व्याकुल रहते हैं, आपको बता दें कि हाल ही में एक निजी चैनल ने अपने सर्वे में रवि किशन को सबसे बड़ा ओ टी टी स्टार माना है।

रवि किशन ने जताया आभार

रवि किशन ने ट्रेलर की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि दर्शकों का प्यार है। उनके मुताबिक, 'साइको सैयां' ऐसी कहानी है जो दिल को छूती है और दिमाग को झकझोर देती है। उन्होंने पूरी टीम और दर्शकों का धन्यवाद किया।

कृति सेनन ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड की स्टाइल आइकन कृति सैनन ने एक बार फिर लंदन फैशन वीक में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए वैश्विक मंच पर अपनी दमदार पहचान स्थापित की। अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत के इस प्रतिष्ठित आयोजन में उनकी मौजूदगी सीज़न का एक प्रमुख आकर्षण बन गई। हाई-कॉन्सेप्ट कूट्योर को सहज और पहनने योग्य एलिगेंस के साथ प्रस्तुत करने की उनकी क्षमता ने दुनिया भर के फैशन विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया। यह वैश्विक पहचान उनके करियर के उस शिखर पर आई है,जब कृति सैनन भारतीय फिल्म उद्योग की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल हैं।

इस अवसर पर कृति ने बरबेरी के परिधान में टेक्सचर के संतुलन और विरासत की झलक पेश की। उन्होंने चॉकलेट-भूरे रंग का आकर्षक ट्रेंच कोट पहना, जो उनके पूरे लुक का मुख्य आधार था। संरचित सिल्हूट और कमर पर बंधी बेल्ट ने उनके व्यक्तित्व में कालातीत गरिमा और आत्मविश्वास जोड़ा। मोनोक्रोम रंग संयोजन को तोड़ते हुए उन्होंने जीवंत टील रंग का पैटर्न वाला स्कार्फ पहना, जिसने लुक में ताजगी और दृश्यात्मक विविधता जोड़ी। इसके साथ उन्होंने घुटनों तक के स्लीक लेदर बूट्स और एक क्लासिक स्ट्रक्चर्ड हैंडबैग कैरी किया। उनके बालों को हाई-फैशन टॉप-नॉट में स्टाइल किया गया था, जिसने उनके निखरे हुए चेहरे और सुसंस्कृत मेकअप को और उभारा। परिधानों से आगे बढ़कर, कृति की यह उपस्थिति वैश्विक मंच पर एक सशक्त फैशन वक्तव्य भी थी। भारतीय सिनेमा से लेकर लंदन के प्रतिष्ठित रनवे की फ्रंट रो तक का उनका यह सफर आधुनिक "इट-गर्ल" छवि को एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय अंदाज़ में परिभाषित करता है। उद्योग में उनका कद लगातार ऊँचा हो रहा है, और ऐसे आयोजनों में उनकी मौजूदगी यह दर्शाती है कि वह ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों ही जगह ट्रेंड स्थापित करने वाली अग्रणी अभिनेत्री हैं।

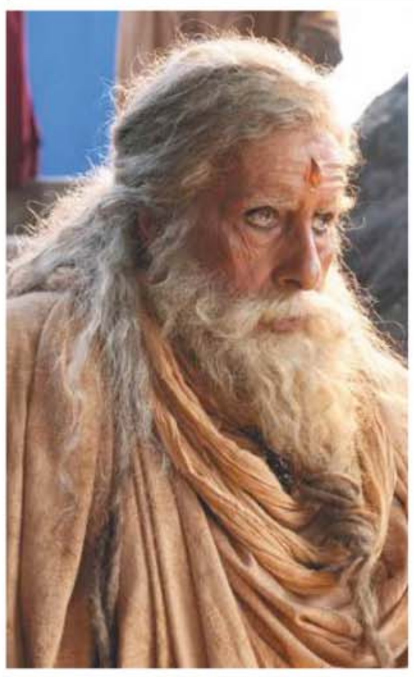

अमिताभ बच्चन ने शुरू की 'कल्कि 2' की शूटिंग

अमिताभ बच्चन ने रविवार को अपनी अपकमिंग फिल्म 'कल्कि 2' के सेट से बिहाइंड द सीन (BTS) तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह हैदराबाद में शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने करीब 40 साल बाद कमल हासन के साथ दोबारा काम करने को लेकर उत्साह जताया। दोनों आखिरी बार 1985 की फिल्म 'गिरफ्तार' में साथ नजर आए थे।

बता दें कि फिल्म 'कल्कि 2898 AD' में अमिताभ बच्चन और कमल हासन दोनों कलाकारों ने अभिनय तो किया था, लेकिन वे एक भी सीन में एक साथ नजर नहीं आए।

दरअसल, अमिताभ बच्चन इन दिनों हैदराबाद में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने ब्लॉग पर सेट से कुछ तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज में वह अपने किरदार अश्वत्थामा के लुक में नजर आ रहे हैं, जिसमें उनके चेहरे पर प्रोस्थेटिक मेकअप दिख रहा है। उन्होंने कमल हासन के साथ भी तस्वीर पोस्ट की। फोटो में दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर शेयर करते हुए अमिताभ ने लिखा, "महान कमल हासन से मिलना लंबे समय बाद साथ काम करेंगे आखिरी बार गिरफ्तार में साथ थे।"

बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के फैंस के लिए ये हफ्ता किसी फेयरीटेल से कम नहीं होने वाला, लंबे समय से चर्चा में चल रही विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी की खबर अब हकीकत बन चुकी है।

शादी के बीच रश्मिका को याद आया अपना पहला किस

उदयपुर के शाही माहौल में दोनों की प्री-वेडिंग रस्में शुरू हो गई हैं और 26 फरवरी को ये कपल सात फेरे लेने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, शादी उदयपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर अरावली की पहाड़ियों में बसे लग्जरी प्रॉपर्टी ITC Mementoes में होगी। यह जगह इतनी प्राइवेट है कि यहां तक पहुंचना भी आम लोगों के लिए आसान नहीं। 117 प्राइवेट विला, नदी और झील से घिरा एस्टेट, और अपना हेलिपैड, मतलब शादी पूरी तरह रॉयल लेकिन बेहद सीक्रेट! जैसे ही शादी की खबर कन्फर्म हुई, इंटरनेट पर पुराने वीडियो और तस्वीरें ताबड़तोड़ वायरल होने लगे। खासकर Rashmika का वह इंटरव्यू, जिसमें उन्होंने फिल्म Geetha Govindam में Vijay के साथ अपने पहले ऑनस्क्रीन किस सीन के बारे में खुलकर बात की थी।

द केरल स्टोरी 2 पर बढ़ा विवाद

रिलीज से ठीक पहले द केरल स्टोरी 2 एक बार फिर सुर्खियों में है। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को फिल्म के निर्माताओं को निर्देश दिया कि शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज से पहले कोच्चि में कोर्ट के लिए विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की जाए। अदालत ने साफ कहा कि केरल के लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह फिल्म 2023 में आई The Kerala Story का सीक्वल है। पहले भाग की तरह इस बार भी कहानी कथित जबरन धार्मिक परिवर्तन के मुद्दे पर केंद्रित है। इसी विषय को लेकर विवाद और तेज हो गया है। कोर्ट में दायर याचिका में फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट को रद्द करने की मांग की गई है। कन्नूर के रहने वाले 26 वर्षीय बायोलॉजिस्ट श्रीदीव नंबूदरी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि फिल्म का कंटेंट एक पूरे राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाता है। उनका तर्क है कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड यानी Central Board of Film Certification ने सिनेमैटोग्राफ एक्ट की धारा 5B के तहत सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और राष्ट्रीय अखंडता के पहलुओं का समुचित आकलन नहीं किया।

छोटे पर्दे का सबसे लंबा चलने वाला और फैंस का पसंदीदा सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इस वक्त मुश्किल दौर से गुजर रहा है। साल 2009 में अक्षरा और नैतिक की मासूम प्रेम कहानी से शुरू हुआ ये सफर आज चौथी पीढ़ी (अभिरा और अरमान) तक पहुंच चुका है। लेकिन जो शो कभी टीआरपी चार्ट पर राज करता था, आज उसे टॉप 10 में अपना स्थान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सूत्रों की मानें तो शो की गिरती रेटिंग्स ने चैनल की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते मेकर्स को एक नोटिस थमाया गया है. कभी टीआरपी चार्ट पर टॉप 3 में जगह पक्की रखने वाला 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', अब 'टॉप 5' की लिस्ट से भी बाहर हो गया है। शो में हाल ही में 8 साल का लंबा लीप लाया गया था, ताकि नई कहानी और नए किरदारों के जरिए दर्शकों को फिर से जोड़ा जा सके. मेकर्स को उम्मीद थी कि अभिरा और अरमान की बेटियों की एंट्री से रेटिंग्स में उछाल आएगा, लेकिन नतीजा इसके उलट रहा। लीप के बावजूद टीआरपी में कोई सुधार नहीं दिखा, बल्कि ग्राफ नीचे ही गिरता गया। जानकारी के मुताबिक, स्टार प्लस चैनल ने राजन शाही के प्रोडक्शन हाउस को सख्त चेतावनी दी है. दरअसल, IPL 2026 शुरू होने वाला है और ये जगजाहिर है कि क्रिकेट के सीजन में टीवी शोज की टीआरपी बुरी तरह प्रभावित होती है. चैनल चाहता है कि आईपीएल के रोमांच से पहले शो अपनी खोई हुई पकड़ वापस पा ले. नोटिस में साफ कहा गया है कि मेकर्स कहानी के ट्रैक पर दोबारा गौर करें और दर्शकों को बांधने के लिए 'हाई-इम्पैक्ट' ड्रामा पेश करे. चैनल का मैसेज साफ है, या तो टीआरपी लाओ, वरना कड़े फैसले लिए जा सकते हैं. हालांकि मेकर्स, चैनल या एक्टर्स में से किसी ने भी इस खबर को लेकर किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

'धमाल 4' में कास्टिंग न होने पर डायरेक्टर से बोले अनिल कपूर

डायरेक्टर इंद्र कुमार की पॉपुलर कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी 'धमाल' के तीसरे पार्ट में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी के साथ-साथ अनिल कपूर भी नजर आए थे। अब इस फिल्म का चौथा पार्ट भी आने वाला है। हालांकि, अनिल कपूर चौथे पार्ट का हिस्सा नहीं हैं। हाल ही में अनिल कपूर ने इस पर मजाकिया अंदाज में रिएक्ट किया है। दरअसल, इन दिनों अनिल अपनी अपकमिंग फिल्म 'सूबेदार' को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। हाल ही में वो इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शामिल हुए। इसी इवेंट में डायरेक्टर्स के साथ अपने रिलेशन के बारे में बात करते हुए अनिल ने इन्द्र कुमार और उनकी 'धमाल 4' का जिक्र किया। अनिल कपूर ने कहा, "मैंने जिन भी फिल्ममेकर्स के साथ काम किया है सबके साथ मेरा अच्छा रिश्ता है। कल ही मेरी एन. चंद्रा से बात हुई। ऐसा कोई फिल्ममेकर नहीं है, जिनके साथ मैंने काम किया है और वो मेरा दोस्त नहीं है। चाहे सुभाष जी हों, विनोद चोपड़ा हो, एन चंद्रा हो, सेम. फोन उठाएंगे और कहेंगे ए भाई और क्या चल रहा है। चल न पिक्चर करते हैं।"डायरेक्टर इंद्र कुमार के साथ उनकी किस तरह बातचीत होती है इसका जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने इंद्र से कहा था, "ए इंदु तू ने लिया नहीं मुझे धमाल में. चलो ठीक है, कोई बात नहीं है। अजय ने मना किया है क्या।" अनिल कपूर का ये मजाकिया अंदाज और जिस तरह इवेंट में मुस्कुराते हुए उन्होंने ये सब बताया वहां लोग हंसने लगे।

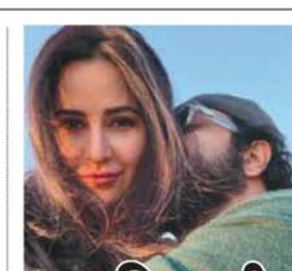

विक्की कौशल ने लुटाया वाइफ पर प्यार

बॉलीवुड के सबसे चहेते कपल्स में शुमार कैटरीना कैफ और विक्की कौशल इन दिनों अपनी पेरेंटहुड जर्नी का आनंद ले रहे हैं। 2021 में शादी के बंधन में बंधने के बाद, पिछले साल इस जोड़ी ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। 7 नवंबर 2025 को कैटरीना और विक्की के घर एक बेटे का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने विहान कौशल रखा है। यह नाम सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा क्योंकि इसने विक्की की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' के उनके किरदार 'मेजर विहान' की यादें ताजा कर दीं। अब जब बेबी विहान लगभग 3 महीने का हो चुका है, विक्की कौशल ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया' के एक हालिया इवेंट में पिता बनने के अपने अनुभव साझा किए। जब उनसे उनके नए रोल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बड़ी सादगी से कहा, 'वह अभी तीन महीने का है, जब बच्चा तीन महीने का होता है तो डैड को बहुत कम करना होता है, मैं बस एक चीयरलीडर बनने की कोशिश कर रहा हूं और उसके बड़े होने का इंतजार कर रहा हूं ताकि मैं और ज्यादा कंट्रीब्यूट कर सकूं।' विक्की ने नई मां बनी कैटरीना की ताकत की भी जमकर सराहना की। अपनी पत्नी के प्रति सम्मान जताते हुए उन्होंने कहा, 'अभी, मां सुपरहीरो बन रही है और वह अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक वॉरियर रही है और वह एक मां के तौर पर भी एक वॉरियर रही है।

निक्की तंबोली ने गिराईं बिजलियां

सोशल मीडिया की सेंसेशन निक्की तंबोली एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिनके साथ कैप्शन लिखा है- "Dil lagana mana thaa...". इस एक लाइन ने ही फैंस की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

इन तस्वीरों में निक्की तंबोली रेड कलर की हैवी एम्ब्रॉयडरी साड़ी और डीप नेक ब्लाउज में नजर आ रही हैं। उनका यह एथनिक लुक पारंपरिक और बोल्ड स्टाइल का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। साड़ी पर की गई सुनहरी कढ़ाई और शिमरी डिटेलिंग उनके पूरे लुक को रॉयल टच दे रही है। निक्की का मेकअप सॉफ्ट ग्लैम स्टाइल में है, न्यूड ग्लॉसी लिप्स, शिमरी आईशैडो और परफेक्ट कंटूरिंग उनके चेहरे की खूबसूरती को और उभार रही है। माथे पर छोटी सी बिंदी और गोल्डन ज्वेलरी उनके लुक में इंडियन चार्म जोड़ रही है। उनका हेयरस्टाइल भी बेहद सॉफ्ट और वॉल्यूमिनस रखा गया है, जो उनके पूरे ग्लैम अवतार को बैलेंस करता है। तीनों तस्वीरों में निक्की का फेशियल एक्सप्रेशन बेहद सेंसुअस और कॉन्फिडेंट नजर आ रहा है। कभी परदे के पीछे से झांकती हुई अदाएं, तो कभी हल्के झुके चेहरे के साथ कैमरे से नजरें चुराती हुईं, हर पोज में उनका एक्स फैक्टर साफ झलक रहा है। उनकी बॉडी लैंग्वेज में आत्मविश्वास और ग्लैमर दोनों का परफेक्ट मेल दिखाई देता है।

'होंगे आप रणवीर सिंह' कर्नाटक HC ने लगाई एक्टर को फटकार

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अभिनेता रणवीर सिंह से जुड़े एक विवादित मामले में नोटिस जारी किया है। यह मामला गोवा में आयोजित 56वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म महोत्सव के दौरान हुई एक कथित घटना से संबंधित है। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के दौरान रणवीर सिंह ने फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' में अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी द्वारा निभाए गए किरदार की नकल की थी। आरोप है कि इस प्रस्तुति के दौरान उन्होंने एक देवता को महिला भूत कह दिया, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई।

मामले की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि अगली सुनवाई की डेट तक संबंधित पक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज करें। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सोमवार 2 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई तक राज्य सरकार याचिकाकर्ता यानी रणवीर सिंह के विरुद्ध कोई कठोर कार्रवाई नहीं करेगी। नोटिस जारी होने और अंतरिम राहत दिए जाने के बाद अब इस मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। रणवीर सिंह के वकील ने कहा कि जो भी हुआ वो अनजाने में हुआ और इसके लिए उन्होंने माफी भी मांग ली है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इतने बड़े एक्टर होने के नाते उन्हें ऐसा करने से बचना चाहिए था, ऐसे करके उन्होंने गलती की है और कोर्ट को इस केस में कोई भी फैसला सुनाने से पहले कर्नाटक के लोगों की संवेदनाओं को ध्यान में रखना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार पूजा के समय इन 5 बातों का रखें ध्यान...

वास्तु में पूजा-पाठ के कुछ नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि इन नियमों का पालन करने से जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। हिंदू धर्म में सुबह व शाम देवी-देवताओं की पूजा का विधान है। वास्तु शास्त्र में पूजा-पाठ के कुछ नियम बताए गए हैं। मान्यता है कि इन नियमों का पालन करने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और जातक की पूजा सफल होने के साथ शुभ फल प्राप्त होते हैं। पूजा-पाठ में वास्तु नियमों का पालन करने से घर में सुख-शांति व आर्थिक समृद्धि का वास होता है। जानें पूजा के दौरान किन नियमों का पालन करना चाहिए।

पूजा के समय तांबे के पात्र में थोड़ा जल रखें
वास्तु के अनुसार जब भी आप पूजा करें, तब एक चांदी या तांबे के पात्र में थोड़ा जल रखें, फिर पूजा करने के बाद उसे पूरे घर में छिड़क दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में धन-धान्य का आगमन होता है।

पूजा में वस्त्र प्रयोग
वास्तु के अनुसार, पूजा घर में जो वस्त्र प्रयोग करें वो लाल, पीले या गुलाबी रंग के शुभ होते हैं। मान्यता है कि देवी-देवता प्रसन्न होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पूजा के समय जल का पात्र किस ओर रखना चाहिए
वास्तु के अनुसार, पूजा के समय जल से भरा हुआ पात्र सदैव आपकी बाईं ओर होना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है व जातकों को जीवन के अन्य क्षेत्रों में शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

पूजा के समय मुख किस दिशा में होना चाहिए
वास्तु के अनुसार, पूजा करते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर की ओर होना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से देवी-देवताओं का आशीष प्राप्त होता है।

दीपक आपके दाईं ओर होना चाहिए
वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूजा के समय हमेशा घी का दीपक आपके दाईं ओर होना चाहिए। इसके अलावा पूजा घर के आसपास, ऊपर या नीचे शौचालय नहीं होना चाहिए।

वॉक से पहले वॉर्मअप जरूरी

फिटनेस बनाए रखनी है तो रोजाना वॉक करना शुरू कर दें। खासतौर से वो लोग जो फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर एक्सरसाइज और योगा से दूर भागते हैं उनके लिए वॉक अच्छा स्टेप हो सकता है। रोजाना वॉक करने से शरीर से कई बीमारियां दूर भागती है। मोटापा कंट्रोल रहता है और पूरी सेहत पर इसका सकारात्मक असर दिखाई देता है। अगर सही तरीके से वॉक की जाए तो इसके फायदे वाकई मैजिकल हो जाते हैं। वॉक से पहले हल्का वॉर्मअप और वॉक खत्म करने के बाद शरीर को कूलडाउन करना जरूरी है। जानिए ऐसा क्यों कहा जाता है?

वॉक स्टार्ट करने से पहले कुछ मिनट का वॉर्मअप जरूर करें। वार्म अप करने का सबसे अच्छा तरीका धीरे-धीरे चलना है। यानि पहले छोटे-छोटे स्टेप्स लें। जिससे मांसपेशियों को वार्मअप के लिए समय मिल पाए। शुरुआत में आराम से वॉक शुरू करें और फिर स्पीड बढ़ाएं। वॉक से पहले पैरों की मांसपेशियों को धीरे-धीरे स्ट्रेच करें। खास तौर से अपनी पिंडलियों और आगे और पीछे की जांघों को स्ट्रेच करें। पैरों को करीब 20 सेकंड तक स्ट्रेच करते रहें। अगर ज्यादा दर्द या खिंचाव महसूस हो तो थोड़ा रुक जाएं। वॉर्मअप के वक्त एकदम से उछलें या झटके न दें। कई बार ऐसा करने से मांसपेशियों के ऊतकों में जरूरत से ज्यादा खिंचाव आने लगता है।

वॉक के बाद बॉडी को करें कूलडाउन
जिस तरह कोई भी व्यायाम धीरे-धीरे स्टार्ट किया जाता है ठीक उसी तरह किसी भी फिजिकल एक्टिविटी को धीरे-धीरे ही शांत करना चाहिए। ऐसा करने से मांसपेशियों की अकड़न और चोट से भी बचाव होता है। इसलिए जब वॉक खत्म करें तो थोड़ी देर हल्की स्पीड में चलें। थोड़ी स्ट्रेचिंग करें और फिर वॉक करना बंद करें। इससे मसल्स को रिलेक्स मिलता है।

इन बातों का भी रखें ख्याल
वॉक या कोई भी फिजिकल एक्टिविटी जब आप करते हैं तो खास बातों का ख्याल जरूर रखें। व्यायाम करते वक्त आपको हल्के कपड़े पहनने चाहिए,क्योंकि पसीना बहुत आता है। एक्सरसाइज और वॉक करते वक्त शरीर का तापमान बढ़ जाता है। इसलिए ज्यादा कपड़े पहनने से बचें। वॉक के लिए आरामदायक जूते पहनें। इससे पैरों पर ज्यादा प्रेशर नहीं पड़ता। अच्छे जूते पहनकर टहलने से पैरों को आराम मिलता है। इससे आप ज्यादा देर तक अच्छी वॉक कर सकते हैं।

आईब्रो में ऐसे करें नेचुरल डाई

बालों का सफेद होना काफी ज्यादा कॉमन हो गया है। बहुत सारे लोगों के तो आईब्रो और दाढ़ी के बाल भी सफेद हो जाते हैं। अब इन सफेद बालों पर केमिकल वाले कलर लगाना काफी हार्मफुल हो जाता है। ऐसे में घर में बना नेचुरल डाई लगाएं। ये ना केवल आईब्रो के बालों को काला करने में मदद करेगा बल्कि किसी भी तरह के हार्मफुल केमिकल से भी बचाएगा। जानें कैसे बनाएं नेचुरल डाई।

- सबसे पहले अखरोट की गिरि को इतना भूनें कि ये जलकर राख हो जाए। जब ये बिल्कुल काला हो जाए तो इसे किसी बर्तन में निकालकर पीस लें।
- पीसने के बाद इस अखरोट के जले पार्ट को छन्नी से छानकर महीन भाग रख लें।
- अखरोट के इस जले पाउडर में एक विटामिन ई की कैप्सूल और चुटकी के बराबर वैसलीन डालकर मिक्स कर लें।
- रोजाना रात को सोने से पहले इस होममेड नेचुरल डाई को लगाएं। सुबह कपड़े से पोंछ कर साफ कर लें।
- कुछ ही दिनों में आईब्रो के बाल बिल्कुल काले दिखने लगेंगे।
- इसी तरह से इस होममेड डाई को दाढ़ी के बालों पर भी लगा सकते हैं। इससे दाढ़ी के बाल भी बिना हार्मफुल केमिकल के काले दिखने लगेंगे।

पैरों की नस चढ़ने पर करें ये 2 योगासन

उठते-बैठते समय कई बार हाथ-पैरों में नस चढ़ जाती है। यह एक आम समस्या है, जिससे पीड़ित व्यक्ति के हाथ-पैरों की मांसपेशियों में तेज खिंचाव और दर्द महसूस होने लगता है। यह समस्या कई बार इतनी असहनीय होती है कि पीड़ित व्यक्ति के लिए यह दर्द बर्दाश्त करना तक मुश्किल हो जाता है। बता दें, हाथ-पैरों में नस चढ़ने के पीछे आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने से कमजोर हुई मांसपेशियां, शरीर में पोटैशियम और कैल्शियम की कमी से मांसपेशियों में होने वाली ऐंठन और ब्लड सर्कुलेशन की कमी जैसे कारण छिपे हुए होते हैं। अगर आपको भी यह समस्या अक्सर परेशान करती है तो इन 2 योगासनों को अपने रुटीन में शामिल कर लीजिए। ये 2 योगासन मांसपेशियों को मजबूत बनाकर नस चढ़ने की समस्या को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर सकता है। हाथ-पैरों में नस चढ़ने पर दर्द से राहत देंगे ये 2 योगासन।

पवनमुक्तासन

पवनमुक्तासन ऐसी योग मुद्रा है, जिसमें शरीर से हवा निकलती है और उससे कई तरह के रोग ठीक होते हैं। इस आसन को अंग्रेजी में 'विंड रिलीज़िंग पोज' कहते हैं। पवनमुक्तासन शरीर का रक्त संचार बढ़ाकर मांसपेशियों को आराम देता है। जिससे नस चढ़ने की समस्या में भी राहत मिलती है। पवनमुक्तासन करने के लिए किसी शांत जगह पर सीधा लेट जाएं। इसके बाद सांस लेते हुए अपने पैरों को 90 डिग्री तक उठाकर सांस छोड़ें, अपने पैरों को मोड़ें और अपने घुटनों को अपनी छाती तक लाने की कोशिश करें। अब अपने घुटनों को अपनी उंगलियों से पकड़ें और अपना सिर उठाएं और अपने माथे को अपने घुटनों से टच करें। इस मुद्रा में रहते हुए सांसों को सामान्य रखें। अब आप सबसे पहले अपने सिर और फिर पैरों को नीचे लाएं। इस योगासन को 2 से 3 बार करें।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर रक्त संचार को बेहतर बनाता है। त्रिकोणासन के अभ्यास के लिए दोनों पैरों को फैलाकर खड़े हों जाएं। एक हाथ ऊपर और दूसरा नीचे ले जाकर त्रिभुज का आकार बनाएं। इस योग को करने से आपकी मांसपेशियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह आसन आपके कूल्हों और जांघ की जकड़न को कम कर सकता है। साथ ही इस आसन को करने से आपकी बॉडी पोस्चर सही हो सकता है।

नींद से जुड़ी समस्याओं को कम कर सकता है केसर का दूध

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें रात में अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है। वे अक्सर रात में बार-बार उठते हैं या फिर रातभर करवटें बदलते रहते हैं। ऐसे में उनकी सेहत पर काफी गहरा नकारात्मक असर पड़ता है। इससे निजात पाने के लिए जरूरी है कि आप कुछ आसान और नेचुरल तरीकों का सहारा लें। इन्हीं में से एक है केसर का दूध। केसर का दूध ना केवल पीने में बहुत अधिक स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह आपकी स्लीप क्वालिटी को बेहतर बनाने में भी मददगार है। ऐसा इसलिए संभव है, क्योंकि केसर में कुछ ऐसे कंपाउंड पाए जाते हैं, जो आपके दिमाग को शांत करने और तनाव को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। इससे आपको काफी अच्छी नींद आती है।

माइंड को मिलता है रिलैक्स
केसर का दूध आपको गहरी नींद दिला सकता है, क्योंकि इसे पीने से माइंड काफी रिलैक्स होता है। दरअसल, केसर में सफ्रानल और क्रोसिन जैसे स्पेशल कंपाउंड पाए जाते हैं, जो आपके नर्व्स सिस्टम को शांत करने में मदद करते हैं। अगर आपका माइंड बहुत ज़्यादा एक्टिव या तनाव में रहता है तो आपको नींद आने में समस्या हो सकती है। ऐसे में ये कंपाउंड आपके दिमाग को धीमा करने के लिए कहते हैं, जिससे आप अच्छी नींद और आराम महसूस करते हैं। सफ्रानल में विशेष रूप से हल्के सेडटिव गुण होते हैं जो आराम और बेहतर नींद को बढ़ावा देते हैं।

स्लीप हार्मोन को मिलता है बढ़ावा
जब स्लीप हार्मोन मेलाटोनिन अच्छी तरह से काम करता है तो इससे आपको रात में गहरी नींद आती है। यूं तो शरीर स्वाभाविक रूप से मेलाटोनिन का उत्पादन करता है, जो आपके मस्तिष्क को बताता है कि सोने का समय हो गया है,लेकिन किसी वजह से अगर मेलाटोनिन का स्तर कम है, तो आपको सोने में कठिनाई हो सकती है। केसर आपके शरीर को स्वाभाविक रूप से अधिक मेलाटोनिन का उत्पादन करने में मदद करता है, ताकि आप सही समय पर और अधिक गहरी नींद ले सकें।

स्ट्रेस को करें कम
जब आप किसी तरह के तनाव में होते हैं तो इसका सीधा असर स्लीप क्वालिटी पर पड़ता है। ओवरथिंकिंग, एंग्जाइटी और स्ट्रेस की वजह से व्यक्ति को रात में सही तरह से नींद नहीं आती है। ऐसे में खुद को रिलैक्स करने और रात में अच्छी नींद लेने के लिए आपको केसर का दूध पीने की आदत डालनी चाहिए। केसर मूड को बेहतर बनाने और एंग्जाइटी को कम करने में मददगार साबित हो सकता है। जिससे आपको अधिक शांत व खुश महसूस करने में मदद मिलती है। जब आपका मन शांत होता है, तो नींद अधिक आसानी से आती है।

रोजाना सिर्फ 5 मिनट ध्यान लगाने के फायदे

रोजाना के रुटीन में से खुद के लिए सिर्फ 5 मिनट निकालकर आप शरीर को कई तरह के फायदे पहुंचा सकते हैं। मेडिटेशन योग की एक ताकतवर प्रेक्टिस है जिससे दिमाग को अपने काबू में किया जा सकता है। इसी के साथ आप ध्यान लगाकर पूरे शरीर पर भी कंट्रोल पा सकते हैं। वैसे तो ध्यान लोग कम से कम 15 मिनट के लिए लगाते हैं,लेकिन आजकल की बिजी लाइफस्टाइल में से खुद के लिए समय निकालना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर आप मेडिटेशन करने के लिए सिर्फ 5 मिनट भी निकाल लेते हैं तो कई फायदे मिल सकते हैं। जानिए रोजाना पांच मिनट ध्यान लगाने के फायदे-

स्ट्रेस होता है कम
ज्यादातर लोग फ्यूचर को लेकर टेंशन में होते हैं और अक्सर इस बात को लेकर टेंशन में रहते हैं, लेकिन अगर आप ध्यान लगते हैं तो आप विचारों की दौड़ से खुद को अलग कर पाते हैं और वर्तमान क्षण पर अपना ध्यान लगाकर तनाव कम हो जाता है।

अच्छी नींद में फायदेमंद
ध्यान लगाने से सोने से पहले मन को शांत किया जा सकता है। इसके अलावा ध्यान नींद की क्वालिटी में भी सुधार कर सकता है।

पाचन में सुधार
स्ट्रेस का असर सीधा पाचन तंत्र पर होता है। स्ट्रेस की वजह से सूजन, एसिड रिफलक्स, अल्सर और यहां तक कि खाने से एलर्जी भी हो सकती है। जब आप ध्यान लगाते हैं तो शरीर रिलैक्स महसूस करता है, जिसकी वजह से सूजन, दस्त और कब्ज के लक्षणों में काफी सुधार होता है।

ब्लड प्रेशर मैनेज करने में मददगार
कई स्टडीज में पाया गया है कि ध्यान ब्लडप्रेशर कम करने वाली दवाओं की तरह काम कर सकता है। ध्यान लगाने से शरीर तनाव हार्मोन के प्रति कम रिएक्ट करता है, जो ब्लडप्रेशर को कम करने में मददगार साबित हो सकता है।

बढ़ता है फोकस
एक स्टडी में यह पाया गया कि मेडिटेशन से बोरिंग काम पर ध्यान लगाने में सुधार होता है। इसके अलावा ध्यान करने वाले आसानी से यादें बनाने और फैसले लेने में सक्षम होते हैं।

जैन समुदाय का आध्यात्मिक महामहोत्सव

स्वर्ण नगरी जैसलमेर में जैन समुदाय का एक बड़ा आध्यात्मिक महामहोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक मौके पर, युगप्रधान पहले दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि की दिव्य चादर, चोला-पट्टा और मुखपट्टा के दर्शन और पहले दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि का अभिषेक किया जाएगा। यह कार्यक्रम गच्छाधिपति पूज्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी की पावन कृपा से संपन्न होगा। श्री जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ, मुंबई के प्रेसिडेंट श्री गुलाबचंद जीरावाला ने बताया कि इस फेस्टिवल का उद्घाटन 6 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी की मौजूदगी में होगा। लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रजी मोदी की अध्यात्म में खास दिलचस्पी है और इस प्रोग्राम के लिए उनका खास सपोर्ट मिला है। महाराष्ट्र में जैन भाई भी इस प्रोग्राम के लिए जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं और उन्हें माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्रजी फडणवीस का सपोर्ट मिल रहा है, श्री जीरावाला ने बताया। दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि चादर महोत्सव कमेटी के चेयरमैन और महाराष्ट्र के कैबिनेट मिनिस्टर श्री मंगलप्रभातजी लोढ़ा की अध्यक्षता और गाइडेंस में यह बड़ा फेस्टिवल ऑर्गनाइज़ किया गया है। उम्मीद है कि इस बड़े इवेंट में देश भर से करीब 200 साधु-साध्वियां और 25,000 से ज़्यादा भक्त शामिल होंगे। इस इवेंट को लेकर पूरे देश और समाज में बहुत

उत्साह है और तैयारियां आखिरी स्टेज में हैं। इस इवेंट में भजनलाल शर्मा समेत कई बड़े लोग मौजूद रहेंगे। उत्सव के दौरान, दादा गुरुदेव से जुड़ी पवित्र चादर, चोला-पट्टा और दूसरी ऐतिहासिक इमारतों की खास पूजा, पूजा, प्रवचन, भक्ति कार्यक्रम, 5 किलोमीटर का ऐतिहासिक जुलूस और बड़े पैमाने पर धार्मिक अनुष्ठान होंगे।
अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप जैन ने कहा कि यह उत्सव बहुत आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व का है और समाज में धर्म, संयम, अहिंसा और नैतिकता का संदेश फैलाएगा। दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि ने समाज कल्याण और बुराइयों को खत्म करने के लिए महत्वपूर्ण काम किए थे। जैन श्वेतांबर समुदाय के पहले दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि के अंतिम संस्कार के समय 872 साल पहले उनका शरीर जलकर राख हो गया था; लेकिन उनकी चादर, चोला-पट्टा और मुखपट्टी सही-सलामत रही।

क्या आप जानते हैं लौंग खाने का सही तरीका क्या है?

रसोई में मसाले के तौर पर इस्तेमाल होने वाली लौंग (Laung) सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सेहत के लिए भी किसी औषधि से कम नहीं है. आयुर्वेद में इसे पाचन सुधारने, सर्दी-खांसी से राहत देने और मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए खास माना गया है. लेकिन हैरानी की बात यह है कि आधे से ज्यादा लोग इसे खाने का सही तरीका नहीं जानते. गलत तरीके से खाने पर इसके फायदे कम हो सकते हैं.

लौंग :- सुबह खाली पेट 1 लौंग चबाएं – इसे धीरे-धीरे चबाकर खाएं और ऊपर से गुनगुना पानी पी लें। इससे पाचन मजबूत होता है। अगर सर्दी-खासी है तो 1 लौंग को पीसकर शहद में मिलाकर लेने से राहत मिलती है। 2-3 लौंग को पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर पीने से गले की खराश और इम्युनिटी में फायदा होता है। रात में सोने से पहले एक लौंग चबाने से मुंह की बदबू दूर होती है और दांतों के दर्द में आराम मिलता है। रोज 1-2 लौंग से ज्यादा सेवन न करें, वरना पेट में जलन हो सकती है।

आयुर्वेद के अनुसार लौंग खाने के फायदे :
पाचन तंत्र मजबूत करता है।
गैस और एसिडिटी में राहत देता है।

इम्युनिटी बढाने में मददगार
दांत दर्द और मसूड़ों की सूजन में फायदेमंद।
सर्दी-खांसी से राहत दिलाता है।
ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है।

मुखबिर की सूचना के आधार पर वन्यप्राणी शिकार के आरोपियों को जेल भेजा गया

8 नग प्लास्टिक की थैलियों में रखे गये मांस प्राप्त

कोण्डागांव। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के दल द्वारा बाजार पारा निवासी उषा बाई रजक के मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वहां से 8 नग प्लास्टिक की थैलियों में रखे गये मांस प्राप्त हुये। मांस के संबंध में पूछताछ करने पर मकान में मौजूद संगीता निर्मलकर एवं उषा बाई ने बताया कि वह मांस वन्य प्राणी सांभर का है तथा इसे खाने एवं बेचने के उद्देश्य से ग्राम उरपुटी जिला धमतरी निवासी नरसु पिता पिलारू से खरीदकर लाना बताया गया। उक्त दोनों आरोपीगण के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर प्रकरण दर्ज कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से दोनों आरोपियों को

माननीय न्यायालय द्वारा 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर जगदलपुर जेल भेजा गया। दोनो आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तथा वनमण्डलाधिकारी श्री चूडामणी सिंह के निर्देशानुसार एक दल का गठन किया गया जो तत्काल धमतरी के लिए अग्रिम कार्यवाही हेतु रवाना हुआ। दल द्वारा ग्राम उरपुटी जिला धमतरी पहुंच कर नरसु के निवास में दबिश दी गयी। उससे पूछताछ करने पर यह स्वीकार किया गया कि सांभर का शिकार उसके 04 साथियों से मिलकर किया गया है तथा मांस संगीता निर्मलकर से सम्पर्क कर 20 फरवरी 2026 को शाम में बेचना बताया गया। वन्य प्राणी सांभर के शरीर का वह भाग जो खाने योग्य नहीं था उसे धमतरी वनमण्डल के आरक्षित वन कक्ष क्रमाक आर. एफ 178 में जला दिया गया। उक्त जानकारी के आधार पर नरसु पिता पिलारू, मुकेश पिता पिलारू, दुलेश्वर पिता धनीराम, तुलसी पिता भानसिंग, मैतु पिता मंगलु ग्राम उरपुटी जिला धमतरी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोण्डागाँव लाया गया जिन्हे 23 फरवरी 2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त समस्त कार्यवाही में कोंडागांव पुलिस विभाग का सराहनीय योगदान रहा जिसके लिये वनमंडलाधिकारी कोण्डागांव वनमंडल द्वारा विशेष रूप से धन्यवाद दिया गया।

जनगणना के प्रथम चरण के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कोण्डागांव। जनगणना-2027 के बेहतर क्रियान्वयन हेतु सोमवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना में कहा कि सभी संबंधित अधिकारी कर्मचारी गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें ताकि जनगणना का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ सफ्लतापूर्वक आयोजित किया जा सके। जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के संबंध में जनगणना निदेशालय रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर्स हिरेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चरणबद्ध विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण व मकान गणना का कार्य 01 मई से 30 मई तक होगा। इस बार जनगणना में डाटा संकलन केवल डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। इस दौरान मकानों सूचीकरण, फील्ड में डाटा संकलन, एचएलओ मोबाइल एप से डाटा की प्रविष्टी के साथ चार्ज अधिकारियों के दायित्व सहित जनगणना के दौरान आने वाले समस्याओं एवं उनके समाधान के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, एसडीएम अजय उरांव, अश्वन पुसाम एवं आकांक्षा नायक सहित तहसीलदार, सीएमओ एवं संबधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया नियद नेल्लानार योजना के क्रियान्वयन हेतु ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की नियुक्त

कोण्डागांव। राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और शत-प्रतिशत योजनाओं के संतृप्तिकरण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ी प्रशासनिक पहल की है। कलेक्टर नम्रता जैन ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अलग-अलग ग्राम पंचायतों का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, ताकि समन्वय के साथ योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा के लिए कार्यपालन अभियंता पीएमजेएसवाई विनय कुमार वर्मा, कलमानार के लिए श्रम पदाधिकारी अमरसिंह खाण्डे एवं जिला सलाहकार जीवनलाल, नेड़नार के लिए जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र नाग एवं जिला समन्वयक गिरेन्द्र साहू, तथा गोरपा के लिए उप संचालक कृषि मोनिका ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार मेटानार के लिए उप संचालक पंचायत यक्षपाल प्रेक्षा, कुंदला के लिए कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी संजय चौहान, कच्चापाल के लिए कार्यपालन अभियंता आरईएस रामेश्वर नेताम, मुरनार के लिए सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी दीपेश रावटे और झारावाही के लिए सीएमएचओ डॉ. टीआर कुंवर को नोडल अधिकारी बनाया गया है।कोहकामेटा के लिए तहसीलदार शय्यद एजाज हासमी, कुतुल के लिए जनपद सीईओ ओरछा लोकेश चतुर्वेदी, धुरबेड़ा के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजेन्द्र सिंह, पदमकोट के लिए कार्यपालन अभियंता जल संसाधन अशोक चौधरी तथा पांगुड़ के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल को दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा रायनार के लिए सीईओ जनपद पंचायत नारायणपुर सुनिल सोनपिपरे, ओरछा के लिए तहसीलदार विजय कुमार साहू, गुदाड़ी के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी लुपेंद्र महिलांग, आदेर के लिए एसडीएम डॉ. सुमित गर्ग, ढोंढरबेड़ा के लिए डीएमसी राजीव गांधी शिक्षा मिशन डीबी रावटे को जिम्मेदारी दी गई है। पोचावाड़ा के लिए ईडीएम कामरान खान, कोंगे के लिए सहायक अभियंता क्रेडा विजय कुमार ध्रुव, जाटलूर के लिए उप संचालक समाज कल्याण एसएस रैदास, लंका के लिए जिला खाद्य अधिकारी मोहम्मद अलाउद्दीन, मुरूमवाड़ा के लिए कार्यपालन अभियंता सीएसईबी केएल उईके तथा ग्राम पंचायत घमंडी के लिए कार्यपालन अभियंता पीएचई एसके वर्मा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली

अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने तेंदूपत्ता संग्रहण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में अवैध वन कटाई की रोकथाम हेतु मैदानी अमले को सतर्क एवं सक्रिय रहने को कहा। उन्होंने जिले के विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के सुचारू संचालन के लिए समूह के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की योजनाओं के अंतर्गत श्रम पंजीयन, दीदी ई-रिक्शा योजना तथा बीमा भुगतान की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करने को कहा।

कलेक्टर ने शासन की महत्वपूर्ण होम-स्टे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए जिले में होम-स्टे संचालन को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार पंजीयन एवं बायोमेट्रिक अपडेट के कार्यों में तेजी लाने विशेष जोर दिया गया। संपूर्णता अभियान अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक तैयारी रखने को कहा। साथ ही धान उठाव की समीक्षा करते हुए उठाव कार्य में तेजी लाने हेतु डीएमओ को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

भाजपा एससी मोर्चा में प्रीति दूधी को मिली जिला उपाध्यक्ष की दायित्व

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने प्रीति दुधि को जिला एससी मोर्चा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की घोषणा पार्टी के जिला पदाधिकारियों द्वारा की गई।वरिष्ठ नेताओं ने प्रीति दुधि को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी।पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रीति दुधि लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में उनकी भागीदारी उल्लेखनीय रही है। अनुसूचित जाति वर्ग के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी।जिला नेतृत्व ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है और एससी मोर्चा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है। ऐसे में प्रीति दुधि की नियुक्ति से मोर्चा को नई ऊर्जा, गति और दिशा मिलेगी।पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, युवाओं और महिलाओं को जोड़ने तथा सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगी।नियुक्ति के बाद प्रीति दुधि ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अनुसूचित जाति समाज के अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना रहेगा।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा 1 मार्च को आयोजित

नारायणपुर। जिला नारायणपुर अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छेरीबेड़ा एवं ओरछा में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 01 मार्च 2026 दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा केन्द्र शासकीय कन्या शिक्षा परिसर गरांजी, शासकीय बालक बुनियादी आदर्श आवासीय विद्यालय गरांजी एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओरछा में परीक्षा का आयोजन किया जायेगा।

मेधावी विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण हेतु श्री हरिकोटा रवाना

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में कोंडागांव जिले के मेधावी विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट हेतु रवाना किया गया। कोण्डागांव जिले के पीएम श्री विद्यालयों के हायर सेकेण्डरी स्तर पर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं शिक्षको की 16 सदस्यीय टीम को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम श्री विद्यालयों के अंतर्गत संचालित पीएम श्री विद्यालय के विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश भ्रमण हेतु आज रवाना किया गया। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल,

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा जिला मिशन समन्वयक ईमल बघेल द्वारा आज हरी झण्डी दिखाकर विद्यार्थियों को शुभकामनाओं सहित विदा किया गया। यह टीम भद्राचलम, विजयवाड़ा एवं सुलूरपेटा मार्ग से होकर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र का शैक्षणिक भ्रमण करेगी। यहाँ विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, रॉकेट प्रक्षेपण प्रणाली एवं उपग्रह तकनीक के संबंध में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को निकटवर्ती पक्षी अभयारण्य (पुलिकट झील क्षेत्र) एवं समुद्र तट का भी भ्रमण कराया जाएगा, जिससे उन्हें प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय अध्ययन का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की भावना तथा व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संजय सोढ़ी का स्पष्ट संदेश- नक्सली विचारधारा से दूरी रखें, सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी दिखाएं युवा

मंगीतोंग पाकेला में सोढ़ी समाज का शक्ति प्रदर्शन

शिक्षा, एकता और राष्ट्रहित का लिया गया संकल्प

सुकमा। विकासखंड छिंदगढ़ के ग्राम मंगीतोंग पाकेला में उयका सोढ़ी परिवार का जिला स्तरीय वार्षिक सम्मेलन सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक स्वाभिमान और सकारात्मक सोच के संदेश के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में सुकमा जिले सहित बीजापुर, दंतेवाड़ा और ओडिशा से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे आयोजन में समाज को संगठित करने, नशामुक्ति अभियान को मजबूत करने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और आदिवासी परंपराओं के संरक्षण पर व्यापक चर्चा की गई।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की असली ताकत उसकी शिक्षा, अनुशासन और आपसी एकता में होती है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को मजबूत बनाने और समाज का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी गई।

दीपिका सोढ़ी का आह्वान-सोढ़ी परिवार का हर बच्चा उच्च शिक्षा पाए, महिलाएं बनें समाज की ताकत

शिक्षा ही समाज को ऊंचाइयों तक ले जाएगी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए दीपिका सोढ़ी (सदस्य, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग) ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों की विरासत, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सोढ़ी परिवार का हर बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त करे और प्रशासनिक, शैक्षणिक, न्यायिक एवं अन्य बड़े पदों तक पहुंचे-यह समाज का सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी बच्चे के माता या पिता का निधन हो गया हो और वह घर पर रहकर पढ़ाई कर रहा हो, तो इसकी जानकारी उन्हें दी जाए।

शासन की योजना के अंतर्गत ऐसे बच्चों को 4000 रुपये प्रतिमाह की सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आर्थिक अभाव के कारण उनकी पढ़ाई बाधित न हो।

महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और सशक्त होती हैं, तभी समाज सशक्त बनता है। शिक्षा, जमीन विवाद, घरेलू हिंसा या किसी भी सामाजिक समस्या की स्थिति में तुरंत संपर्क करने का आग्रह करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे हर परिस्थिति में समाज के साथ खड़ी हैं। समाज की ओर से प्रस्तुत मांगपत्रों पर यथासंभव कार्रवाई कराने का आश्वासन भी दिया।

नक्सली विचारधारा को समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा

समाज के वरिष्ठ सदस्य संजय सोढ़ी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कुछ युवा सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग कर रहे हैं और बिना सोचे-समझे टिप्पणियां कर रहे हैं, जिससे समाज की छवि प्रभावित हो सकती है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सोढ़ी समाज देश विरोधी या नक्सली विचारधारा का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने कुख्यात नक्सली माड़वी हिड़मा का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें शहीद या हीरो बताने का प्रयास करते हैं, जबकि ऐसे कृत्यों से अनेक निर्दोषों की जान गई है। समाज ऐसे किसी भी विचार या गतिविधि का समर्थन नहीं करेगा।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, सकारात्मक सोच अपनाएं और समाज तथा राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संकल्प

सम्मेलन में सोढ़ी समाज की पहचान गोंड जनजाति के रूप में उल्लेखित करते हुए उसकी समृद्ध आदिवासी परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखने का संकल्प दोहराया गया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी जड़ों और संस्कृति को सहेजकर रखना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष लच्छुराम सोढ़ी ने कहा कि जिस प्रकार समाज की बेटी दीपिका सोढ़ी अधिवक्ता, राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र में तथा समाज के बेटे संजय सोढ़ी सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, उसी प्रकार हर बच्चे को शिक्षा ग्रहण कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मुकरम से आए हिड़मा गुरुजी ने स्थानीय गोंडी बोली में प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने कोया माटा की परंपरा और समाज की सांस्कृतिक जड़ों को जानने एवं समझने पर विशेष बल दिया।

प्रमुख उपस्थिति

सम्मेलन में लच्छू सोढ़ी (अध्यक्ष), राजू सोढ़ी (उपाध्यक्ष), मानका सोढ़ी (सचिव), राजू सोढ़ी (उप सचिव), महेश सोढ़ी, देवालाल सोढ़ी, राजूराम सोढ़ी, सायम सोढ़ी, नंदा सोढ़ी, मंगडू सोढ़ी, रामधर सोढ़ी, भीमा सोढ़ी, रमेश सोढ़ी, सुशीला सोढ़ी, सुक्को सोढ़ी, रीना सोढ़ी सहित सोढ़ी परिवार जिला सुकमा के अनेक प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

सम्मेलन का समापन शिक्षा, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। मंगीतोंग पाकेला में आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन सामाजिक जागरूकता, एकता और आदिवासी स्वाभिमान का सशक्त उदाहरण बनकर रहे।

अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी: आईटीबीपी का दबदबा, तीसरे दिन झटके 18 पदक; दुर्ग संभाग आयुक्त और आईजी ने किया विजेताओं का सम्मान

भिलाई (दुर्ग)। प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई के खेल मैदान में आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 के तीसरे दिन (25 फरवरी 2026) रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड स्पर्धाओं के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों ने अपने तकनीकी कौशल और सटीक निशानेबाजी का अद्भुत प्रदर्शन किया।

आईटीबीपी पदक तालिका में शीर्ष पर-प्रतियोगिता के तीसरे दिन कुल 56 पदकों का वितरण किया गया। पदक तालिका में आईटीबीपी (ढ्ढञ्जक्चक्क) ने अपना वर्चस्व कायम रखते हुए सर्वाधिक 18 पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश पुलिस 08 पदकों के साथ दूसरे और सीआरपीएफ 06 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। अन्य बलों में राजस्थान और सीआईएसएफ को 5-5, जबकि असम राइफल्स, बीएसएफ और एसएसबी को 4-4 पदक मिले। असम और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने भी 1-1 पदक अपने नाम किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह-विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय यादव (ढ्ढत्र), सत्यानारायण राठौर (आयुक्त, दुर्ग संभाग), अभिषेक शांडिल्य (ढ्ढत्र, दुर्ग रेंज) और राजेश कुकरेजा (ष्ठढ्ढत्र/खेल अधिकारी) सहित अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पुलिस बलों के बीच ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल खेल भावना बढ़ाती हैं, बल्कि अनुशासन और मानसिक मजबूती का भी प्रतीक हैं।कल होंगे मिक्स्ड टीम इवेंट-भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता के चौथे दिन, यानी 26 फरवरी 2026 को टीम और मिक्स्ड टीम इवेंट्स के मुकाबले होंगे। इसमें विभिन्न राज्यों और अर्धसैनिक बलों की टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

दुर्ग में कल उमड़ेगा आस्था का सैलाब: सत्तीचौरा से कादंबरी नगर तक सजेगी 'मिनी खाटू' की झलक

दुर्ग। अब न प्यारे वक्त है आराम का, आ गया लो मेला मेरे श्याम का...÷ की गूंज के साथ कल संस्कारधानी दुर्ग पूरी तरह से श्याममयी होने जा रही है। फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर, गंजपारा से एक भव्य और ऐतिहासिक निशान यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर को खाटू धाम के रंगों में सराबोर कर देगी।

खाटू धाम जैसा होगा नजारा- शुक्रवार, 27 फरवरी को सुबह 7 बजे से शुरू होने वाली इस यात्रा में श्रद्धालुओं को राजस्थान के खाटू धाम जैसा अनुभव होगा। यात्रा की शुरुआत रिंग्स (रींगस) रूपी विशेष गेट से होगी। इस दौरान बाबा श्याम के भक्तों पर इत्र, गुलाल और फूलों की अमृत वर्षा की जाएगी। यात्रा में विशेष आकर्षण का केंद्र घोड़े, बग्गी और सजे-धजे रथ होंगे, जो इस धर्म यात्रा को और भी अलौकिक बनाएंगे।

भजनों की गंगा और भक्तों का उत्साह- हजारों की संख्या में श्याम भक्त हाथों में केसरिया निशान लेकर बाबा के भजनों पर थिरकते हुए निकलेंगे। यह यात्रा गंजपारा से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री श्याम मंदिर, कादंबरी नगर में संपन्न होगी। आयोजकों ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य दुर्ग नगर को फाल्गुन के पावन अवसर पर खाटू धाम जैसा स्वरूप देना है। कार्यक्रम सुबह 7:00 बजे, श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा से शुरू होगी और समापन श्री श्याम मंदिर, कादंबरी नगर में होगी।

इसके अलावा आज भजन संध्या आयोजित की जाएगी। आयोजनकर्ताओं समस्त श्याम प्रेमियों ने नगरवासियों से अपील की है कि इस भव्य निशान यात्रा का हिस्सा बनकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

रिसाली के इन 5 वार्डों में दो दिन नहीं आएगा पानी, मोरिद फिल्टर प्लांट में आई तकनीकी खराबी

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के डुडेरा और पुरैना क्षेत्र के निवासियों को अगले दो दिनों तक जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। मोरिद स्थित 6 स्रूष्ठ जल शोधक संयंत्र (फिल्टर प्लांट) में अचानक तकनीकी खराबी आने के कारण मरम्मत कार्य के लिए शटडाउन लिया गया है।

शुक्रवार और शनिवार को सप्लाई रहेगी बंद- नगर निगम प्रशासन के मुताबिक, मरम्मत कार्य के चलते शुक्रवार और शनिवार को इन क्षेत्रों के 5 वार्डों में पूर्ण रूप से जल आपूर्ति बाधित रहेगी। जल कार्य विभाग के सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि प्लांट की खराबी को दूर करने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द सप्लाई बहाल की जा सके।

टैंकरों से होगी पानी की सप्लाई- आम जनता की परेशानी को देखते हुए विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। प्रभावित वार्डों में आवश्यकतानुसार पानी के टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जाएगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे उपलब्ध पानी का संचय करें और सहयोग बनाए रखें।

एनएच 930 सड़क के दोनों ओर अवैध कब्जों को हटाने 3 दिन का विशेष अभियान, बनी रणनीति

बस स्टैंड में लंबे समय से खड़ी बसों को परिसर से हटाने की जाएगी कार्यवाही, बालोद नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुंदर बनाने एसडीएम ने कसी कमर

नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुंदर बनाना है : एसडीएम

वही बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नगर के नए बस स्टैण्ड परिसर में लंबे समय से खड़ी बसों को हटवाते हुए उनके मालिकों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। बस स्टैण्ड में ट्रकों को भी खड़े होने से रोका जावे। बस स्टैंड को बस संचालकों ने अवैध रूप से बस डिपो बनाकर रख दिया हैं। जिज़के मद्देनजर ऐसी बसें जो सड़को पर नई चलती है, जिनका परमिट नही है, जो लंबे समय से बस स्टैंड परिसर में ही खड़ी हुई है, ऐसी बसों को परिसर से हटाने की कड़ी कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम नूतन कंवर ने कहा कि बालोद नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुंदर बनाना है, जिसमें हम सभी को अपनी भागीदारी निभानी होगी। बैठक में एसडीओ राष्ट्रीय राजमार्ग अनिल छारी, तहसीलदार आशुतोष शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोबिन अली, यातायात प्रभारी रविशंकर पाण्डेय, उप निरीक्षक कमला यादव, झलमला सरपंच चुम्मन ठाकुर, सिवनी सरपंच बहुर सिंह नेताम, पार्षद आशा पटेल, विनोद शर्मा, राजस्व निरीक्षक दयालु सागर, संध्या वर्मा, पटवारी आशीष शर्मा, टुमन बघेल, बबीता मण्डावी, पंचायत सचिव संतोषी सोनकर, रमेश निषाद सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद से होकर गुजरने वाली एनएच-930 मार्ग में अतिक्रमण धारियों के खिलाफ राजस्व एवं निकाय प्रशासन संयुक्त रुप से अभियान चलाकर अवैध कब्जों को हटाने की कार्यवाही करने जा रही हैं। इसके साथ ही नगर के नए बस स्टैंड में लंबे समय से खड़ी बसों के विरूद्ध भी बस स्टैंड परिसर से हटाने की कार्यवाही भी करेगी। इस सम्बंध में बुधवार को बालोद एसडीएम नूतन कंवर द्वारा नगर में अतिक्रमण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिसमें ग्राम झलमला के मुख्य चौक से बालोद जिला मुख्यालय स्तिथ पर्यावरण पार्क तक राष्ट्रीय राजमार्ग 930 सड़क के दोनों ओर विभिन्न अतिक्रमणकारियों द्वारा किये गये कब्जे को हटाने के संबंध में चर्चा की गई। कब्जा हटाने की कार्यवाही राजस्व, निकाय एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा सयुंक्त रूप से की जाएगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, जिला चेंबर ऑफकॉमर्स अध्यक्ष हरीश सांखला सहित अन्य गणमान्य नागरिकों से विचार विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि अतिक्रमण हटाने के संबंध में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा चिन्हित अतिक्रामकों सहित अन्य अतिक्रामकों को मुनादी कराया जाकर तीन दिन में स्वतः अपना कब्जा हटाये जाने का आग्रह किया जाएगा। इसके बाद नियमानुसार बलपूर्वक कब्जा हटाये जाने की कार्यवाही की जाएगी।

बड़ा हादसा टला: भिलाई-3 में बारूद से भरा अनियंत्रित ट्रक ट्रांसफार्मर से टकराया, केबिन में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने पाया काबू

भिलाई-3। रायपुर की ओर जा रहा बारूद से लदा एक ट्रक (वाहन क्रमांक ष्टत्र 05 क्क 2355) गुरुवार को भिलाई-3 के पास अनियंत्रित होकर एक बिजली के ट्रांसफार्मर से जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक सर्विस रोड पर उतर गया और उसके केबिन में भीषण आग लग गई. बारूद की मौजूदगी के कारण एक बड़े विस्फोट का खतरा मंडरा रहा था, जिसे दमकल विभाग की तत्परता ने टाल दिया.

दमकलकर्मियों ने दिखाई बहादुरी- पुलिस कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी श्री नागेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अग्निशमन कार्यालय से तत्काल दो दमकल वाहन मौके पर रवाना किए गए. घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए दमकलकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर जलते हुए ट्रक के केबिन में प्रवेश किया और आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया. उनकी इस बहादुरी से बारूद तक आग पहुँचने से पहले ही बुझा दी गई, जिससे एक भीषण जनहानि और धमाका होने से बच गया.

पुलिस जांच जारी- आग बुझने के बाद पुलिस और अग्निशमन दल की मदद से सुरक्षित निकाले गए ट्रक को भिलाई-3 थाने में रखवाया गया है. पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है कि दुर्घटना किस कारण से हुई. इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन को नियंत्रित करने में दल प्रभारी महेंद्र चंदेल और केशव यादव के साथ राजेश साहू, हीरामन, धर्मेंद्र साहू, शशांक, मनीष, रामनाथ कुर्रे, टिकेंद्र, संतोष और भीषम की सक्रिय भूमिका रही।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का फूटा दर्द

50 वर्षों की सेवा के बाद भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहीं 'अमृत काल' की सारथी

दुर्ग। देश भर में एकीकृत बाल विकास सेवा (ढ्ढष्टष्ठस्) की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर महिला एवं बाल विकास विभाग 'गोल्डन जुबली' (स्वर्ण जयंती) मना रहा है। एक तरफजहां सरकार इसे 'अमृत काल' कह रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही हैं।

मानदेय नहीं, यह मजाक है- आंगनबाड़ी संघ की बहनों का कहना है कि वे 50 वर्षों से विभाग की रीढ़ बनी हुई हैं। कोविड महामारी के दौरान जान जोखिम में डालना हो, निर्वाचन कार्य हो या स्वास्थ्य सर्वे, हर मोर्चे पर वे डटी रहीं। इसके बावजूद केंद्र सरकार द्वारा कार्यकर्ताओं को मात्र ?4500 और सहायिकाओं को ?2250 प्रति माह मानदेय दिया जा रहा है। महंगाई के इस दौर में इसे 'जीने लायक वेतन' कहना भी मुश्किल है। कार्यकर्ताओं ने इसे श्रम नियमों का खुला उल्लंघन बताया है।

सरकार की अनदेखी से आक्रोश- प्रदर्शनकारी बहनों ने बताया कि केंद्र सरकार ने साल 2018 के बाद से मानदेय में एक रुपये की भी वृद्धि नहीं की है। वहीं, छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार पर भी वादाखिलाफी का आरोप लगा है। पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार की ओर से न तो मानदेय बढ़ाया गया और न ही किसी अन्य सुविधा की घोषणा की गई।

बुढ़ापे और बीमारी का कोई सहारा नहीं- ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने अपनी प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें शामिल हैं:

शासकीयकरण: विभाग में नियमित कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।

सामाजिक सुरक्षा: बुढ़ापे के सहारे के लिए मासिक पेंशन और एकमुश्त ग्रेच्युटी राशि का प्रावधान। स्वास्थ्य सुरक्षा: गंभीर बीमारी की स्थिति में कैशलेस चिकित्सा सुविधा और समूह बीमा।

अवकाश की सुविधा: पारिवारिक दायित्वों और बच्चों के विवाह हेतु पर्याप्त सवैतनिक अवकाश (वर्तमान में मानदेय कटवाना पड़ता है)।

आंगनबाड़ी बहनों का कहना है कि जब हम विभाग का 'गोल्डन जुबली' वर्ष मना रहे हैं, तो सरकार को हमारे भविष्य को भी सुनहरा बनाना चाहिए। यदि मांगें पूरी नहीं हुई, तो आने वाले समय में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995